साप्ताहिक हिन्दी और उर्दू समाचार पत्र

जयपुर से प्रकाशित

उम्मीद की एक नई रोशनी

आवाज़ ए तसनीम

tasneemtv.official@gmail.com

آوازِ تسنیم

PRGI No. RJBIL/25/A1815

www.tasneemtv.com | अंक: 01/ वर्ष: 02 | जयपुर, सोमवार, 20 जुलाई, 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: 2 रूपए | प्रातः कालीन

एक नजर

पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में निभा सकती है अहम भूमिका: पीएम मोदी

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इनोवेशन और वैश्विक साझेदारियों के जरिए पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लिखे गए आर्टिकल को साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल स्थानीय शिल्पों को बाजार तक पहुंच हासिल करने, स्थायी आजीविका सृजित करने, विरासत को संरक्षित करने और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद कर रही है।

मानसून सत्र से पहले मायावती की नसीहत, बोलीं- हंगामा नहीं, हो सार्थक बहस

लखनऊ(एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने सत्ता पक्ष और विपक्ष से राजनीतिक टकराव से ऊपर उठकर जनहित के मुद्दों पर गंभीर और सार्थक चर्चा करने की अपील की है। पार्टी ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, परीक्षा पत्र लीक, अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण, भ्रष्टाचार और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर संसद में ठोस समाधान तलाशे जाने चाहिए, ताकि आम जनता की समस्याओं का प्रभावी निराकरण हो सके। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि अब जबकि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है।

राष्ट्र निर्माण सिर्फ अधिकारों की मांग से नहीं, बल्कि कर्तव्यों के ईमानदारी से निर्वहन से संभव: मुख्यमंत्री योगी

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलंदशहर के शिकारपुर स्थित रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देशवासियों को गुलामी की मानसिकता छोड़कर अनुशासन, नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल अधिकारों की मांग से नहीं, बल्कि कर्तव्यों के ईमानदारी से निर्वहन से संभव है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सैनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में बालिकाओं के छात्रावास के निर्माण की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने किया हनुमान कथा का श्रवण, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अग्रणी राष्ट्र बन रहा भारत

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

पूरी दुनिया में पहुंची भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में

आयोजित भव्य हनुमान कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी गोविन्द देव गिरी जी महाराज जैसे संतों के सान्निध्य में होने वाले धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मकता और उच्च संस्कारों का संचार करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज अमृत काल में है और दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों के रूप में उभर रहा है। स्वामी विवेकानंद जी ने जिस सांस्कृतिक वैभव का सपना देखा था, आज हमारी संस्कृति उसी रूप में पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम का जीर्णोद्धार नए भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए कहा कि लंबे इंतजार के बाद जब प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा हुई, तो पूरी दुनिया उस पल की साक्षी बनी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत के संरक्षण का कार्य निरन्तर कर रही है। खाटूश्याम जी, गिरराज जी और पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक केंद्रों के विकास के लिए सरकार काम कर रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का वैदिक परंपरा के अनुरूप मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने चारों वेद ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का वाचन कर रहे बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार का श्रवण किया। हनुमान कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर विधायक बालमुकुंद आचार्य, ठाकुर गोविन्ददेव चतुर्वेद विद्यापीठ के न्यासी संदीप झंवर सहित अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, 11 मौतें

मलबे से 2 साल के मासूम का शव निकाला, नगालैंड की लैंडस्लाइड में 8 की मौत

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया। इधर, नगालैंड के मोन इलाके में हुई लैंडस्लाइड के बाद एनडीआरएफ की टीमों ने मलबे से 8 शव निकाल लिए हैं, जबकि कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है।

जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में बादल ज्यादा फटते हैं

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की सबसे बड़ी वजह हिमालय की ऊंची पर्वत श्रृंखलाएं हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी भरी हवाएं इन पहाड़ों से टकराकर ऊपर उठती हैं। ऊपर जाते ही हवा ठंडी हो जाती है और उसमें मौजूद नमी तेजी से बादलों में जमा होने लगती है। इसके अलावा, संकरी घाटियां और ऊंची चोटियां बादलों को एक जगह रोक देती हैं। इससे कम क्षेत्र में बहुत ज्यादा नमी इकट्ठी हो जाती है। जब बादल इतना पानी संभाल नहीं पाते, तो अचानक बेहद तेज बारिश होती है। यही वजह है कि डोडा, किश्तवाड़, रामबन, पुंछ, राजौरी, सोनमर्ग और कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में बादल फटने की घटनाएं मैदानी क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा होती हैं।

उत्तराखंड में बिजली गिरने से 2 की मौत, 84 सड़कें बंद

उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच हरिद्वार जिले में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। राज्यभर में भूस्खलन के कारण 84 सड़कें बंद हो गई हैं, जिनमें दो राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं। मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। 20 जुलाई के लिए देहरादून, हरिद्वार और टिहरी जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि नैनीताल, उत्तरकाशी और पौड़ी में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

अमरनाथ यात्रा रुकने से कई श्रद्धालु रास्ते में फंसे

जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इसके चलते कई श्रद्धालु रास्ते में फंस गए हैं और विभिन्न मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। यात्रा स्थगित होने के बाद जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु आगे बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं, जबकि प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। खराब मौसम के चलते एहतियात के तौर पर यात्रा रोकी गई है। फिलहाल यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

अरुणाचल में बाढ़ से डेढ़ लाख प्रभावित

अरुणाचल में बाढ़ और भूस्खलन के इस दौर में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, 29 लोग घायल हुए हैं और 1,49,257 लोग प्रभावित हुए हैं। मानसून की मार से कुल 26 जिले, 328 सर्कल और 576 गांव प्रभावित हुए हैं। इधर, पिथौरागढ़ में, कैलाश-मानसरोवर यात्रा का चौथा जत्था, जिसमें 50 तीर्थयात्री शामिल हैं धारचूला बेस कैंप में रोक दिया गया है। बेस कैंप के इंचार्ज धन सिंह बिष्ट ने बताया कि गरबाधार में भूस्खलन के कारण गुंजी जाने वाला रास्ता बंद हो गया है।

शाह ने जम्मू-कश्मीर के सीएम और उपराज्यपाल से बात की

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में रातभर हुई भारी बारिश के बाद बने बाढ़ जैसे हालात को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से फोन पर बात की। उन्होंने स्थिति की जानकारी ली और प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिया। गुजरात के सूरत में रातभर हुई बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया। अलथान-पांडेसरा रोड पर घुटनों तक पानी जमा हो गया, जिससे लोगों को पानी से भरी सड़क पर पैदल चलकर निकलना पड़ रहा है।

बादल फटने का मतलब क्या?

बादल फटना का मतलब यह नहीं है कि बादल सचमुच फट जाता है। यह एक मौसम संबंधी घटना है, जिसमें बहुत छोटे इलाके में बहुत कम समय में बेहद तेज बारिश होती है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, अगर 20-30 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में एक घंटे या उससे कम समय में 100 मिमी या उससे ज्यादा बारिश हो जाए, तो उसे बादल फटना कहा जाता है। ऐसा तब होता है, जब हवा में मौजूद नमी एक जगह इकट्ठी हो जाती है।

यूपी में नदियां उफनाईं, 2 मकान नदी में समाए

मानसून एक बार फिर से पूरे यूपी में छा गया है। रविवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत 30 शहरों में बारिश हो रही है। इसके अलावा, ज्यादातर शहरों में बादल छाए हैं। आगरा में दिन में अंधेरा छा गया। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इनमें से 31 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। संतकबीरनगर में 300 साल पुराना बाबा बैजूनाथ मंदिर रविवार को भरभराकर गिर पड़ा। लगातार कई दिनों की बारिश से मंदिर की दीवारें कमजोर हो गई थीं। शनिवार को ही डीएम और एसपी ने मंदिर का निरीक्षण किया था। इधर, प्रदेश की नदियां उफान पर हैं। बलिया में सरयू नदी खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। 100 गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। नदी किनारे कटान हो रहा है। एक मकान 5 सेकेंड में नदी में समा गया। लखीमपुर में शारदा नदी के कटान में एक घर समा गया। गनीमत रही कि उस वक्त अंदर कोई नहीं था। कानपुर में गंगा चेतावनी स्तर तक पहुंच गई है। प्रशासन ने नदी में बोटिंग पर रोक लगा दी है। वाराणसी में रत्नेश्वर महादेव मंदिर जलमग्न हो गया है। दशाश्वमेध घाट की सीढ़ियां डूब गई हैं। प्रयागराज संगम पर अनाउंस कर लोगों को नदी से दूर रहने को कहा जा रहा है। मथुरा-वृंदावन में यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। इससे पहले, शनिवार को बरेली, आगरा समेत 25 शहरों में बारिश हुई। गोरखपुर में 6 घंटे में 110 मिमी. बारिश हुई। सड़कें तालाब बन गईं। गलियों, कॉलोनियों में पानी भर गया। घरों में बारिश का पानी घुस गया। जिला अस्पताल की ओपीडी में पानी भर गया। बरसाती पानी से भरे गड्?ढे में डूबकर लड़के की मौत हो गई। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया और बादलों के सिस्टम के झारखंड की तरफ बढ़ने की वजह से कारण मानसून की हवाएं अब यूपी की तरफ मुड़ गई हैं। इस वजह से बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

2 साल बाद कोई टाइटल जीता, यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया

टोक्यो

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।

31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।

यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

अभिषेक बोले- बंगाल में पुलिस की वर्दी में चोरी हुई, मेरा ऑफिस तोड़ा

कोलकाता हाईकोर्ट ने रोक लगाई

कोलकाता

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पश्चिम बंगाल पुलिस खुद कानून तोड़ने वाली बन गई है। यह बयान उन्होंने दक्षिण 24 परगना के अमतला स्थित अपने ऑफिस को तोड़े जाने के एक दिन बाद दिया।

शनिवार को जिला प्रशासन ने इमारत का अगला हिस्सा बुलडोजर से गिरा दिया था। आरोप था कि यह बिना मंजूरी के बना था। हालांकि रविवार को कोलकाता हाईकोर्ट ने इस तोड़-फोड़ पर रोक लगा दी है। साथ ही इसे अगली सुनवाई तक ज्यों का त्यों रखने का आदेश दिया है।

इससे पहले इमारत तोड़ने के बाद रात का एक वीडियो अभिषेक ने सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। अभिषेक ने आरोप लगाया- बंगाल पुलिस बीजेपी के गुंडों के साथ मिलकर लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, टेबल, कुर्सियां और दूसरे फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रही है। यह तोड़-फोड़ नहीं थी बल्कि यह वर्दी में चोरी थी। जिसे कानून का कोई सम्मान किए बिना और हाई कोर्ट में मामला विचाराधीन होने के बावजूद अंजाम दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि दो नोटिसों का कोई जवाब नहीं मिलने के बाद प्रशासन ने आगे की कार्रवाई का फैसला लिया।

राजपाल यादव जयपुर में...

जयपुर में भीड़ में फंसे एक्टर राजपाल यादव

गोविंद देव जी मंदिर पहुंचकर किए दर्शन, फैंस ने घेरा, तस्वीरें खिंचवाईं

जयपुर(नि.सं.)। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव रविवार को जयपुर के प्रसिद्ध गोविंद देव जी मंदिर पहुंचे। राजपाल यादव ने ठाकुर जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। जैसे ही एक्टर के मंदिर पहुंचने की सूचना लोगों को मिली, उन्हें देखने और फोटो खिंचवाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और प्रशंसक उमड़ पड़े। पुलिस की सुरक्षा में उन्हें मंदिर के दर्शन कराए गए और भीड़ से निकालकर कार तक पहुंचाया गया। सुरक्षाकर्मियों और मंदिर प्रशासन को व्यवस्था बनाए रखने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बावजूद, भीड़ के बीच भी राजपाल यादव ने अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया और मुस्कुराते हुए उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

महत्वपूर्ण मुहर | निवेश प्रोत्साहन प्रयासों पर लगी राष्ट्रीय मुहर

निवेश अनुकूलता में 'अग्रणी राज्यों' में शामिल हुआ राजस्थान

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मुहर लगी है। नीति आयोग द्वारा जारी निवेश अनुकूलता सूचकांक में राजस्थान को 'अग्रणी राज्य' की श्रेणी में स्थान मिला है। समग्र रैंकिंग में राज्य देशभर में 10वें तथा बड़े राज्यों में 8वें स्थान पर रहा। वहीं, बड़े राज्यों की श्रेणी में नियमों के सरलीकरण में राजस्थान ने दूसरा, निवेश प्रोत्साहन नीतियों में तीसरा तथा संसाधनों के क्षेत्र में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। यह राज्य में निवेश को बढ़ावा देने, उद्योगों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने और कारोबार को आसान बनाने की दिशा में किए गए सुधारों का परिणाम है।

राज निवेश पोर्टल: अब 190 सेवाएं उपलब्ध, निस्तारण समय में आ रही कमी राज्य में उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने, निवेशकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने, औद्योगिक भूमि, आधारभूत सुविधाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण विकसित करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए गए हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब नीति आयोग की रिपोर्ट में भी दिखाई दिया है। बड़े राज्यों की

श्रेणी में नियामकीय सुगमता के क्षेत्र में राजस्थान ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। राज्य सरकार ने निवेशकों को तेज, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज निवेश पोर्टल को लगातार सुदृढ़ किया है। वर्तमान में इस पोर्टल पर 18 विभागों की 190 सेवाएं उपलब्ध हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पोर्टल पर कुल 34,704 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 जून तक कुल 30 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 17 हजार से अधिक का निस्तारण किया जा चुका है। इस अवधि में आवेदनों के निस्तारण की समग्र दर 64 प्रतिशत रही, जबकि सर्वाधिक उपयोग वाली 11 प्रमुख सेवाओं में यह दर 68 प्रतिशत रही। साथ ही, प्रमुख सेवाओं के औसत निस्तारण समय में कमी दर्ज की गई है।

जयपुर में बजाज नगर के एनईओ बार क्लब पर छापा

जयपुर। जयपुर में अवैध रूप से संचालित हुक्का बारों के खिलाफ जयपुर पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में जयपुर पूर्व के बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एयरपोर्ट क्षेत्र स्थित NEO Bar Club में चल रहे अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से हुक्का संचालन में उपयोग होने वाला सामान जब्त कर क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तमिलनाडु की बेटी सैयद मुनावरी बेगम को बड़ी जिम्मेदारी, NCM की उपाध्यक्ष नियुक्त

आवाज़ ए तसनीम

भारत सरकार ने सैयद मुनावरी बेगम को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) का नायब सदर (उपाध्यक्ष) मुक़र्रर किया है. उनकी तैनाती को अक़लियती तबक़ों, ख़ास तौर पर मुस्लिम समाज के लिए एक अहम कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है. इस ऐलान के बाद मुख़्तलिफ़ समाजी तंजीमों, दानिशवरों और मुक़ामी अफ़राद ने ख़ुशी का इज़हार करते हुए उन्हें नई ज़िम्मेदारी के लिए मुबारकबाद पेश की.
लोगों ने उम्मीद ज़ाहिर की है कि उनकी क़ियादत में आयोग अक़लियती तबक़ों से जुड़े मसाइल को ज़्यादा असरदार अंदाज़ में उठाएगा और उनके हुक़ूक़, तालीम, रोज़गार और समाजी तरक़्क़ी के लिए मुस्बत क़दम उठाएगा. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग मुल्क के अक़लियती तबक़ों के हुक़ूक़ के तहफ़्फ़ुज़ और उनके मुफ़ाद को फ़रोग़ देने के मक़सद से काम करता है. ऐसे में सैयद मुनावरी बेगम की तैनाती को आयोग के निज़ाम को और मज़बूत बनाने का अहम क़दम माना जा रहा है.सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनके प्रशासनिक और सामाजिक अनुभव का लाभ आयोग को मिलेगा तथा अल्पसंख्यकों की समस्याओं के समाधान में नई गति आएगी.NCM की नायब सदर बनने पर मुबारकबाद
दिल्ली में पत्रकार आक़िब ख़ान, जो ज़िला मैनपुरी (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं, ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के दफ़्तर में सैयद मुनावरी बेगम से मुलाक़ात कर उन्हें नई ज़िम्मेदारी के लिए मुबारकबाद पेश की. इस मौक़े पर उन्होंने अल्पसंख्यक तबक़ों की समाजी, तालीमी और मआशी तरक़्क़ी के लिए असरदार मंसूबों और अवामी फ़लाह के इक़दामात की उम्मीद ज़ाहिर की.मुलाक़ात के दौरान अल्पसंख्यक तबक़ों से मुताल्लिक़ मुख़्तलिफ़ मसाइल पर मुख़्तसर गुफ़्तगू भी हुई. इस दौरान आयोग की उपाध्यक्ष सैयद मुनावरी बेगम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (BJP) एक काम करने वाली पार्टी है और बिना किसी इम्तियाज़ के तमाम तबक़ों के लिए फ़लाही मंसूबे लागू करती है. उन्होंने कहा कि मरकज़ी हुकूमत की तमाम स्कीमें हर तबक़े के लिए हैं, किसी एक बिरादरी या ख़ास तबक़े के लिए नहीं.

तमिलनाडु से दिल्ली तक का सफ़र

सैयद मुनावरी बेगम अस्लन तमिलनाडु की रहने वाली हैं और लंबे समय से समाजी व अवामी ज़िंदगी में रही हैं. उन्होंने मुख़्तलिफ़ अहम ज़िम्मेदारियां निभाई हैं. इससे पहले वह सेंट्रल वक़्फ़ काउंसिल की सदस्य रह चुकी हैं. इसके अलावा उन्होंने नेशनल काउंसिल फ़ॉर प्रमोशन ऑफ़ उर्दू लैंग्वेज (NCPUL) में उपाध्यक्ष के तौर पर भी अपनी सेवा दी हैं. तालीम, समाजी इख़्तियारसाज़ी (सशक्तिकरण) और अल्पसंख्यकों तबक़ों की तरक़्क़ी से जुड़े मौज़ूआत पर उनकी हमेशा से सरगर्म शिरकत रही है.

अल्पसंख्यक तबक़ों में नई उम्मीद

उनकी तैनाती पर कई समाजी तंजीमों, तालीमी माहिरीन और बिरादरी के नुमाइंदों ने यक़ीन ज़ाहिर किया है कि वह राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के ज़रिये समाज के तमाम तबक़ों के मसाइल को संजीदगी से उठाएंगी और मरकज़ी हुकूमत की अवामी फ़लाह व बहबूद की स्कीमों का फ़ायदा ज़रूरतमंद अफ़राद तक पहुँचाने में अहम किरदार अदा करेंगी.लोगों का मानना है।

मौलाना जर्जिस अंसारी पर मुस्लिम समाज का बड़ा एक्शन! भगवान श्रीकृष्ण पर बयान के बाद मुस्लिम स्कॉलर ने लगाई फटकार

आवाज़ ए तसनीम

झारखंड में एक जलसे के दौरान मौलाना जर्जिस अंसारी ने भगवान कृष्ण के बारे में विवादित बयान दिया था. इस बयान के बाद हिंदू संगठनों ने मौलाना के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की. उत्तर प्रदेश में भी एक हिंदू संगठन ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है. इस बीच मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी मौलाना जर्जिस के खिलाफ आवाज उठाई है. इस कड़ी में बिहार के मुजफ्फरपुर में मशहूर इस्लामिक स्कॉलर हाजी मोहम्मद परवेज सिद्दीकी ने भगवान श्री कृष्ण के बारे में मौलाना जरजीस अंसारी की विवादित टिप्पणी की कड़ी निंदा की है और धर्म को विवाद का मंच बनाने वालों पर रोक लगाने की मांग की है.इस्लामिक स्कॉलर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आरक्षण मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मदरसा आधुनिकीकरण शिक्षा समिति के चेयरमैन हाजी मोहम्मद परवेज सिद्दीकी ने एक सार्वजनिक मंच से भगवान श्री कृष्ण के बारे में मौलाना जर्जिस अंसारी द्वारा दिए गए बयान की निंदा की. सिद्दीकी ने साफ किया कि धार्मिक मंचों का इस्तेमाल सनसनी फैलाने या दूसरे धर्मो की मान्यताओं को लेकर विवाद खड़ा करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता आपसी सम्मान और धार्मिक सह-अस्तित्व की नींव पर टिकी है. ऐसे अनावश्यक और विवादित बयान न केवल लाखों लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि देश के सामाजिक सद्भाव को भी कमजोर करते हैं.इस्लामिक स्कॉलर हाजी मोहम्मद परवेज सिद्दीकी ने जोर देकर कहा कि इस्लाम यह नहीं सिखाता कि दूसरे धर्मों द्वारा पूजनीय हस्तियों के बारे में बिना ठोस सबूत के ऐसे दावे किए जाएं जिनसे विवाद और तनाव पैदा हो. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस्लाम की पहचान शांति, न्याय, समझदारी और दूसरों की धार्मिक भावनाओं के सम्मान से होती है, न कि भड़काऊ भाषणों से. उन्होंने आगे कहा कि जब कोई धार्मिक नेता अपनी बातों की जिम्मेदारी नहीं लेता है, तो पूरे समाज को इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं. धार्मिक नेतृत्व की असली भूमिका समाज को एकजुट करना है, न कि उसे बांटना. हाजी मोहम्मद परवेज़ सिद्दीकी ने सभी धार्मिक नेताओं से अपील की कि वे सार्वजनिक मंचों पर बोलते समय संयम बरतें और तथ्यात्मक सटीकता तथा संवैधानिक मर्यादा का पालन करें. उन्होंने कहा कि देश को इस समय ऐसी आवाज़ों की ज़रूरत है जो भाईचारे, बातचीत और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करें, न कि ऐसे भाषणों की जो नफरत फैलाते हों।

मध्य प्रदेश में छ्ष्ट लागू करने की तैयारी पूरी! मोहन यादव कैबिनेट ने ड्राफ्ट बिल को दी मंजूरी

आवाज़ ए तसनीम

मध्य प्रदेश में जल्द ही यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) लागू किया जाएगा. मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने आज, 19 जुलाई को इस बिल के ड्राफ़्ट को मंज़ूरी दे दी. यह बिल विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान पेश किया जाएगा, जो 20 जुलाई से शुरू हो रहा है. UCC बिल को राज्य की राजधानी भोपाल के बाहरी इलाके में स्थित जगदीशपुर में हुई कैबिनेट की एक विशेष बैठक में मंज़ूरी दी गई.
मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि मध्य प्रदेश कैबिनेट ने रविवार को राज्य विधानसभा में पेश करने के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) के ड्राफ्ट बिल को मंज़ूरी दे दी है. राज्य विधानसभा का पांच दिन का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है. यादव ने कहा कि यह ड्राफ्ट बिल समाज के सभी वर्गों से सुझाव लेकर तैयार किया गया था और समाज के ज़्यादातर लोगों ने इसका समर्थन किया. सीएम ने आगे कहा कि यह आदिवासी समुदायों को छोड़कर समाज के सभी वर्गों पर लागू होगा. उन्होंने बताया कि पुरुषों के लिए शादी की उम्र 21 साल और महिलाओं के लिए 18 साल है और UCC के तहत शादी का रजिस्ट्रेशन जरूरी है.

मोहन यादव की अध्यक्षता बैठक

राज्य कैबिनेट ने रविवार को भोपाल में मुख्यमंत्री यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस ड्राफ्ट बिल को मंज़ूरी दी. मध्य प्रदेश के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए सरकार द्वारा बनाई गई और सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जज रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली कई सदस्यों वाली कमेटी ने हाल ही में मुख्यमंत्री को अपनी रिपोर्ट सौंपी. इसमें सिफारिश की गई कि अनुसूचित जनजातियों (आदिवासियों) को छ्ष्ट के दायरे से बाहर रखा जाए.

जौहर यूनिवर्सिटी बचाने के लिए तलबा ने भरी हुंकार, RD के नोटिस के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना शुरू

आवाज़ ए तसनीम

रामपुर की मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर जारी तनाजे में अब एक नया मोड़ आ गया है. यूनिवर्सिटी को मिले डिमोलिशन नोटिस के खिलाफ तलबा ने मोर्चा खोल दिया है. तलबा का कहना है कि यह उनके मुस्तकबिल को बचाने की जद्दोजहद है. उन्होंने रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी (RDA) से नोटिस वापस लेने की मांग की है. दरअसल, शनिवार (18 जुलाई) को जौहर यूनिवर्सिटी के 38 इमारतों को ध्वस्त करने के हुक्म के खिलाफ अब तलबा खुद मैदान में उतर आए हैं. उनका कहना है कि यह लड़ाई किसी एक शख्स या किसी सियासी मसले की नहीं, बल्कि उनकी तालीम, उनके मुस्तकबिल और उनके हक को बचाने की जंग है. इसी मकसद के साथ यूनिवर्सिटी कैंपस में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया है.समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है. 38 भवनों को ध्वस्त करने के हुक्म के खिलाफ अब यूनिवर्सिटी के तलबा भी खुलकर सामने आ गए हैं. बड़ी तादाद में छात्र-छात्राएं यूनिवर्सिटी कैंपस में जमा हुए और अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया. तलबा ने साफ ऐलान किया है कि जब तक डिमोलिशन का हुक्म वापस नहीं लिया जाता, तब तक उनका एहतिजाज लगातार जारी रहेगा. धरने पर बैठे तलबा का कहना है कि यह लड़ाई किसी शख्स के लिए नहीं लड़ी जा रही है. उनका कहना है कि अगर यूनिवर्सिटी के इमारतों को ढहा दिया गया तो हजारों तलबा की तालीम बुरी तरह मुतास्सिर होगी. ऐसे में उनका मुस्तकबिल भी खतरे में पड़ जाएगा. इसी वजह से उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने का फैसला किया है.एहतिजाज में शामिल एक तलबा ने कहा कि यह उनके मुस्तकबिल और तालीम को बचाने की लड़ाई है. उनका कहना है कि वे किसी तरह का टकराव नहीं चाहते, बल्कि चाहते हैं कि उनकी बात सुनी जाए और उनके मुस्तकबिल को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया जाए. उन्होंने दोहराया कि जब तक डिमोलिशन का हुक्म वापस नहीं लिया जाता, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा.धरने में शामिल छात्र-छात्राओं ने सरकार और इंतजामिया से अपील की है कि डिमोलिशन के हुक्म पर दोबारा गौर किया जाए. उनका कहना है कि तालीमी इदारों को बचाना हर समाज और तबके की जिम्मेदारी होती है. अगर किसी यूनिवर्सिटी के इमारतों को गिराया जाता है तो उसका सबसे बड़ा असर वहां पढ़ने वाले तलबा पर पड़ता है. इसलिए ऐसा रास्ता निकाला जाना चाहिए, जिससे तालीम का सिलसिला भी जारी रहे और तलबा का मुस्तकबिल भी महफूज रह सके.तलबा का कहना है कि उनका एहतिजाज पूरी तरह अमनपसंद है और वे अपने हक की आवाज लोकतांत्रिक तरीके से उठा रहे हैं. उन्होंने साफ कहा कि जब तक 38 भवनों के डिमोलिशन का हुक्म वापस नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन और धरना लगातार जारी रहेगा. उनके मुताबिक यह लड़ाई किसी सियासी फायदा या नुकसान की नहीं, बल्कि हजारों नौजवानों की तालीम और उनके आने वाले कल को बचाने की जद्दोजहद है।

राजस्थान में मस्जिद-दरगाह-मदरसों पर बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट का ब्रेक, दो हफ्तों की अंतरिम राहत

आवाज़ ए तसनीम

राजस्थान में हुकूमत की ओर से पाकिस्तान सीमा से लगे सरहदी जिलों में मुसलमानों की मस्जिदों, दरगाहों और मदरसों को पहले नोटिस देने और उसके बाद कई जगहों पर इन्हेदामी कार्रवाई किए जाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है. इस कार्रवाई को लेकर मुस्लिम समाज में बेचैनी बढ़ी है. इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल दो हफ्तों के लिए राहत देते हुए इन कार्रवाइयों पर अंतरिम रोक लगा दी है. साथ ही मुतास्सिरा लोगों से कहा है कि वे अपनी शिकायत लेकर राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ का दरवाजा खटखटाएं.
मिली जानकारी के मुताबिक, राजस्थान के पाकिस्तान सीमा से सटे जिलों में लंबे समय से इन्हेदामी कार्रवाई जारी है. यहां अब तक कई मस्जिदों, दरगाहों को गिराया जा चुका है, जबकि करीब 350 मस्जिदों को नोटिस जारी किए गए हैं. इल्जाम लगाया जा रहा है कि कौमी सलामती के नाम पर चल रही इस कार्रवाई में सिर्फ मस्जिदों, दरगाहों और मदरसों को ही निशाना बनाया जा रहा है, जबकि दूसरे मजहबों के इबादतगाहों के मामले में ऐसी कार्रवाई नहीं की जा रही.

सुप्रीम कोर्ट ने दिया हाई कोर्ट जाने का हुक्म

इसी मामले को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के कौमी सदर मौलाना महमूद असद मदनी की हिदायत पर 40 मुतास्सिरा लोगों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई. अर्जी में इन कार्रवाइयों पर फौरन रोक लगाने और मुतास्सिरा लोगों के हुकूक की हिफाजत की मांग की गई थी.
सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान अर्जी पर अंतरिम राहत देते हुए दो हफ्तों तक किसी भी तरह की इन्हेदामी कार्रवाई पर रोक लगाने का हुक्म दिया. अदालत ने इसके साथ ही यह भी कहा कि इस तरह के मामलात में फैक्ट और दस्तावेजात की तफ्सीली जांच मुतअल्लिका हाई कोर्ट ही कर सकती है. इसलिए अर्जी दाखिल करने वालों को राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच से जल्द राब्ता करने की सलाह दी गई.
सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर 2024 को दिए गए अपने तारीखी फैसले का भी हवाला दिया. अदालत ने साफ कहा कि किसी भी इमारत या संपत्ति के खिलाफ इन्हेदामी कार्रवाई करते समय कानूनी प्रक्रिया, फितरी इंसाफ और संविधान में दी गई गारंटी का पूरी तरह पालन होना चाहिए.
अदालत ने यह भी कहा कि जहां सरकारी जमीन पर गैरकानूनी कब्जा साबित हो जाए, वहां कानून के मुताबिक कार्रवाई की जा सकती है. हालांकि हर मामले की हकीकत अलग होती है और उसी के मुताबिक उसकी जांच और फैसला किया जाएगा. अदालत ने यह भी साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट के तय किए गए उसूलों को ध्यान में रखते हुए मुतल्लिका हाईकोर्ट मुनासिब फैसला करेगा.

इंतजामिया अपने अख्तियार का एकतरफा इस्तेमाल...'

जमीयत उलेमा-ए-हिंद की तरफ से सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने अदालत के सामने दलील देते हुए कहा, ÷मकानों, मस्जिदों, मदरसों और दूसरे इम्लाक के खिलाफ लगातार इन्हेदामी कार्रवाई की जा रही है. इसके अलावा सैकड़ों मजहबी और रिहायशी इम्लाक को भी नोटिस जारी किए गए हैं.÷ उन्होंने अदालत से कहा कि ÷किसी भी शहरी की मिल्कियत या किसी मजहबी मुकाम के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ संविधान, कानून और फितरी इंसाफ के उसूलों के मुताबिक ही हो सकती है.÷कपिल सिब्बल ने कहा, ÷इंतजामिया अपने अख्तियार का एकतरफा इस्तेमाल करके ऐसी कार्रवाई नहीं कर सकता.÷ उनका कहना था कि अगर अदालत की तरफ से फौरन अंतरिम राहत नहीं दी गई तो मुतास्सिरा लोगों को ऐसा नुकसान होगा जिसकी भरपाई बाद में मुमकिन नहीं होगी.

सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्तों तक इन्हेदामी कार्रवाई पर लगाया ब्रेक

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने दो हफ्तों तक इन्हेदामी कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया. अदालत ने यह भी कहा कि जिन मामलों में विवादित तथ्य सामने हों, उनकी गहराई से जांच मुतल्लिका हाईकोर्ट ही कर सकता है. इसी वजह से अदालत ने अर्जी दाखिल करने वालों को राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच से फौरन राब्ता करने का हुक्म दिया

राजस्थान हाई कोर्ट में दाखिल करेगी अर्जी

सुप्रीम कोर्ट के हुक्म के बाद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सदर मौलाना महमूद असद मदनी का बड़ा बयान सामने आया. उन्होंने कहा कि उनकी तंजीम अदालत के हुक्म के मुताबिक तुरंत राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच का रुख करेगी. उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद मुतास्सिरा शहरियों, मस्जिदों, मदरसों और दूसरे मजहबी मुकामात के दस्तूरी और कानूनी हुकूक की हिफाजत के लिए हर कानूनी मंच पर पूरी मजबूती के साथ अपनी लड़ाई जारी रखेगी.

श्रीराम और श्रीकृष्ण पैगंबर हो सकते हैं, मौलाना जर्जिस विवाद के बीच ST हसन का बड़ा बयान

आवाज़ ए तसनीम

मौलाना जर्जिस ने भगवान कृष्ण के बारे में एक विवादित बयान दिया है, जिससे पूरे देश में हंगामा मच गया है. हिंदू संगठनों के सदस्य उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. इस बीच, पूर्व स्क्र सांसद स्त्र हसन ने भगवान राम और भगवान कृष्ण को लेकर अहम टिप्पणी की है. पूर्व सांसद ने कहा है कि श्री राम और श्री कृष्ण पैगंबर थे. उन्होंने कहा, कई मुस्लिम विद्वानों का मानना ??है कि श्री राम और श्री कृष्ण 1,24,000 पैगंबरों में से हो सकते हैं. पूर्व सांसद ने कहा, इतने लंबे समय में बहुत सी चीजें बदल जाती हैं, इसलिए मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता. लेकिन वे एक महान व्यक्तित्व थे. उन्होंने मानवता को एक गहरा सबक सिखाया.दरअसल, सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश के इटावा के रहने वाले मौलाना जर्जिस अंसारी का एक वीडियो वायरल हो रहा था. इस वीडियो में मौलाना जर्जिस ने दावा किया कि भगवान श्री कृष्ण आस्था से मुस्लिम थे और उन्होंने यह भी कहा कि कृष्ण दिन में पांच बार नमाज़ पढ़ते थे. उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के बारे में ये बातें 23 जून को झारखंड के देवघर में आयोजित एक सभा के दौरान कहीं. इस बयान से भारी विवाद खड़ा हो गया और हिंदू संगठनों ने मौलाना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. लखनऊ में हिंदू महासभा ने हजरतगंज पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज कराया.

मौलाना ने दिया था ये विवादित बयान

मौलाना जरजिस अंसारी ने कहा, अगर हमारे भाई बुरा न मानें, तो भगवान कृष्ण भी दिन में पांच बार प्रार्थना करते थे. अगर आपको यकीन न हो, तो श्रीमद्भगवद्गीता के छठे अध्याय का दसवां श्लोक देख लें.
योगी युञ्जीत सततमात्मानं रहसि स्थितः ।
एकाकी यतचित्तात्मा निराशीरपरिग्रहः ॥
मौलाना ने दावा किया, इस श्लोक में कृष्ण अर्जुन से कहते हैं, हे अर्जुन! जब तुम ईश्वर की पूजा करो, तो अपने पूरे शरीर को योग में लगाओ, यहां योका मतलब यूपी के योगी से नहीं, बल्कि युञ्जीत सततमात्मानम्‍ (खुद को लगातार ईश्वर से जोड़े रखना) वाले योग से है. इसका मतलब है कि पूजा सिर्फ़ खड़े होकर नहीं की जानी चाहिए. इसके लिए पूरे शरीर की भागीदारी और शारीरिक एकाग्रता की ज़रूरत होती है. आज हिंदू धार्मिक रीति-रिवाजों को देखिए. लोग बस हाथ ऊपर उठाते हैं, ? नमः शिवाय का जाप करते हैं और पूजा पूरी मान ली जाती है.मौलाना ने आगे कहा, अगर हिंदू और मुसलमान अपने-अपने धर्मग्रंथों को पढ़ें, जैसे योगी जी राम के बहुत बड़े भक्त हैं, अगर वे अपने धर्मग्रंथों को पढ़ें, तो यकीन मानिए, उन्हें इस्लाम से प्यार हो जाएगा. क्योंकि इस्लाम सिर्फ़ मुसलमानों का धर्म नहीं है. यह दूसरों का भी है. इसी आस्था और धर्म को रामचंद्र जी और कृष्ण जी ने भी माना था. यह सिर्फ़ मुसलमानों का धर्म नहीं है.

NFA 2026 सलमान, शाहरुख, आमिर नहीं....इस मुस्लिम एक्टर ने जीता चार बार बेस्ट एक्टर का अवार्ड

आवाज़ ए तसनीम

साउथ इंडियन सिनेमा के दिग्गज अदाकार ममूटी ने अपनी दमदार एक्टिंग से नाजरीन का दिल जीता और अब एक बार फिर उन्होंने मुल्क के सबसे बड़े फ़िल्मी ऐज़ाज़ में अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई है. 72वें नेशनल फिल्म अवार्ड (ह्स्न्न) में ममूटी को बेस्ट एक्टर का ऐज़ाज़ मिला है. यह कामयाबी सिर्फ उनकी एक और जीत नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा में उनकी लंबी, शानदार और असरदार सफर की तस्दीक भी है.

कार्तिक आर्यन के साथ शेयर किया ह्स्न्न में बेस्ट एक्टर का अवार्ड

खास बात यह है कि इस बार उन्हें यह ऐज़ाज़ फिल्म ब्रमायुगम में निभाए गए रहस्यमयी और खौफ पैदा करने वाले किरदार कोडुमोन पोट्टी के लिए दिया गया. इस कैटेगरी में उन्होंने यह ऐज़ाज़ एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ शेयर किया.
शनिवार (18 जुलाई) को मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग की ओर से 72वें नेशनल फिल्म अवार्ड का ऐलान किया गया. इन पुरस्कारों के तहत फीचर फिल्म, गैर-फीचर फिल्म और सिनेमा पर तहरीर की मुख्तलिफ जुमरों में बेहतरीन काम को सराहा गया. इनमें सिर्फ उन फिल्मों को शामिल किया गया जिन्हें सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच सर्टिफिकेट जारी किया था
इन पुरस्कारों का ऐलान नई दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में किया गया. फातेहीन का इंतिखाब 11 रुक्नी ज्यूरी ने किया, जिसकी अगुवाई मशहूर फिल्ममेकर जयराज ने की. इस साल के ऐजाजा में भारतीय सिनेमा की मुख्तलिफ जुबानों और सकाफती तनव्वो को खुसूसी तौर पर सराहा गया. शानदार अदाकारी से लेकर बेहतरीन तकनीकी महारत तक, कई फिल्मों और फनकारों को उनकी गैर-मामूली सलाहियतों के एतराफ में ऐजाज से नवाजा गया.

ममूटी को क्यों और किस फिल्म के लिए मिला NF,-2024

बेस्ट एक्टर की कैटेगरी में ममूटी का नाम सबसे खास रहा. उनकी फिल्म ब्रमायुगम साल 2024 की एक ब्लैक-एंड-व्हाइट दौर की डरावनी कहानी पर आधारित फिल्म है. इसमें ममूटी ने कोडुमोन पोट्टी का ऐसा रहस्यमयी और खतरनाक किरदार निभाया, जिसने नाजरीन के साथ-साथ ज्यूरी पर गहरा असर डाला. यही वजह रही कि उन्हें इस रोल के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड से नवाजा गया.
दिलचस्प बात यह भी है कि ब्रमायुगम सिर्फ अदाकारी के लिए ही नहीं, बल्कि अपने शानदार तकनीकी काम की वजह से भी चर्चा में रही. इस फिल्म ने 72वें नेशनल फिल्म अवार्ड में बेस्ट सिनेमैटोग्राफी का ऐज़ाज़ भी अपने नाम किया. इस तरह फिल्म ने अदाकारी और तकनीकी दोनों मोर्चों पर अपनी अलग पहचान बनाई.

मुस्लिम अदाकार ममूटी को मिला चौथा नेशनल फिल्म अवार्ड

ममूटी के लिए यह ऐज़ाज़ कई मायनों में बेहद खास है, क्योंकि यह उनके करियर का चौथा नेशनल फिल्म अवार्ड है. इसके साथ ही वह भारतीय सिनेमा के उन चुनिंदा कलाकारों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवार्ड सबसे ज्यादा बार मिला है. इस मामले में उनका नाम सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ लिया जाता है.
ममूटी को पहली बार साल 1989 में मलयालम फिल्मों मथिलुकल और ओरु वडक्कन वीरगाथा के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड मिला था. उस समय उन्हें दो फिल्मों में शानदार अदाकारी के लिए एक साथ सम्मानित किया गया था. इसके बाद साल 1993 में मलयालम फिल्मों पोंथन माडा और विदेयन में यादगार एक्टिंग के लिए उन्हें दूसरा नेशनल अवार्ड मिला.
उनकी तीसरी बड़ी कामयाबी साल 1998 में आई, जब उन्होंने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर फिल्म में बाबासाहेब आंबेडकर का किरदार निभाया. अंग्रेजी और हिंदी जुबान में बनी इस फिल्म में उनकी अदाकारी को पूरे मुल्क में खूब सराहा गया और उन्हें तीसरी बार नेशनल फिल्म अवार्ड से नवाजा गया.
अब 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में ब्रमायुगम के लिए मिला चौथा ऐज़ाज़ यह साबित करता है कि ममूटी आज भी अपनी फनकारी, जज्बे और शानदार अदाकारी से भारतीय सिनेमा की बुलंदियों पर कायम हैं. उनके नाम दर्ज यह नई कामयाबी न सिर्फ मलयालम सिनेमा, बल्कि पूरे भारतीय फिल्म जगत के लिए फख्र की बात मानी जा रही है.

کیا بھارت میں فٹبال کرکٹ پر سبقت حاصل کر رہا ہے؟

- کیا کرکٹ اپنی جذباتی کشش کھو رہی ہے؟ ● موجودہ نسل فٹبال کو کیوں ترجیح دے رہی ہے؟
- آئی پی ایل نے کرکٹ سے جڑے جذبات کو ختم کر دیا ہے۔ ● کرکٹ اب ایک بورنگ تماشہ بن چکی ہے۔
- تلنگانہ حکومت نے بھی اتوار کی رات سے پیر کی صبح تک حیدرآباد میں فٹبال فائنل دیکھنے کے لئے تمام تجارتی سرگرمیوں کو خصوصی اجازت دے دی۔

آوازِ تسنیم

موجودہ نسل فٹ بال کو کیوں ترجیح دیتی ہے؟

کرکٹ، جو کبھی قومی فخر اور خالص جذبات کا میدانِ جنگ ہوا کرتا تھا، اب ایک تفریحی پروڈکٹ میں تبدیل ہو چکا ہے۔ وہ دن چلے گئے جب ایک ٹیسٹ میچ یا محدود اوورز کا میچ بھی حب الوطنی کا جذبہ اور عمر بھر کا لگاؤ پیدا کرتا تھا۔ آج، یہ بنیادی طور پر ٹی آر پی اور بینک بیلنس کے لیے تیار کیا گیا ایک احتیاط سے لکھا ہوا اسکرپٹڈ شو معلوم ہوتا ہے۔

کھلاڑی اتنی تیزی سے فرینچائزز بدلتے ہیں کہ مداحوں کے لیے ان سے گہرا تعلق قائم کرنا تقریباً ناممکن ہو جاتا ہے۔ کچھ موجودہ ستاروں کا متکبرانہ رویہ ان حامیوں کو مزید دور کر دیتا ہے جو کبھی اپنے ہیروز کو ہمت اور قومی وقار کا پیکر سمجھتے تھے۔ قوانین بلے بازوں کے حق میں بہت زیادہ جھکے ہوئے ہیں، جس میں سیمنٹ جیسی ہموار پچیں گیند بازوں کو بہت کم موقع دیتی ہیں، فیلڈنگ کی پابندیاں سخت ہیں، اور بلے بازوں کے لیے نرم قوانین ہیں۔ جبکہ گیند بازوں کو مسلسل باریک بینی اور حدود کا سامنا کرنا پڑتا ہے۔ نتیجہ؟ قابلِ پیشن گوئی، زیادہ اسکور والے یکطرفہ مقابلے جہاں سے سسپنس اور نئی جدت غائب ہو چکی ہے۔

پچھلے ادوار میں 160-180 کے آس پاس کے مسابقتی اسکور بھی شائقین کو پرجوش کر دیتے تھے۔ اب، میچوں میں چوکوں اور چھکوں کی برسات کی بدولت اسکور اکثر 200 سے تجاوز کر جاتا ہے۔ گیند باز، جو کبھی نئے تجربات کرنے والے اور بلے بازوں کو الجھن میں رکھنے والے مانے جاتے تھے، اب پابندیوں کی وجہ سے محض ایک رخ کے رہ گئے ہیں۔ غیر یقینی صورتحال کا وہ جادو اب ختم ہو چکا ہے۔

آئی پی ایل کی بھرمار: شدید دشمنیوں کی جگہ دوستی نے لے لی، نہ کوئی سلیجنگ، نہ کوئی بدلہ، بس دو ماہ کا اسٹیج پر سجایا ہوا تماشہ:

اس کا زیادہ تر ذمہ دار انڈین پریمیئر لیگ (IPL) ہے۔ ہر سال تقریباً دو ماہ تک چلنے والا یہ ٹورنامنٹ کیلنڈر کو بین الاقوامی ستاروں کی مخلوط ٹیموں سے بھر دیتا ہے جو بلے بازی کے دھماکوں کے لیے تیار کردہ ہندوستانی پچوں اور چھوٹے گراؤنڈز پر کھیلتے ہیں۔ متبادل کھلاڑی، گلیمر اور بھاری رقم ایک ایسا ماحول پیدا کرتا ہے جو کسی سنجیدہ کھیل کے بجائے مشہور شخصیات (سلیبریٹیز) کی لیگ زیادہ معلوم ہوتی ہے۔ بدلہ، میدان کی جنگیں، اور حقیقی دشمنیاں اب غائب ہو چکی ہیں۔ جو کھلاڑی اپنے ممالک کے لیے سخت مقابلہ کرتے ہیں، وہ آئی پی ایل میں ساتھی اور دوست بن جاتے ہیں، جس سے بین الاقوامی کرکٹ کی وہ تیکھی دھار ختم ہو جاتی ہے۔ سلیجنگ، جذباتی غصہ، اور یادگار مقابلے جیسے وینکٹیش پرساد بنام عامر سہیل، ہربھجن سنگھ بنام اینڈریو سائمنڈز، یا جاوید میانداد کا وہ جوش اب صرف دھندلی یادیں بن چکے ہیں۔ بال ٹیمپرنگ کے اسکینڈلز اور غیر متوقع ہار جیت کبھی جذبات کو بھڑکا دیتی تھی؛ اب سب کچھ بہت زیادہ صاف ستھرا اور مصنوعی لگتا ہے۔

آئی پی ایل میں ریکارڈ توڑنے کے باوجود حال ہی میں آئرلینڈ اور انگلینڈ کے خلاف ٹی ٹوئنٹی سیریز میں عبرتناک شکست (وائٹ واش) اس دوری کو واضح کرتی ہے۔ مختلف ممالک میں مقامی لیگز اب شیڈول پر حاوی ہیں، جس کی وجہ سے روایتی بین الاقوامی کرکٹ کے لیے بہت کم وقت بچتا ہے جس کا مداح کبھی مہینوں انتظار کرتے تھے۔

یہاں تک کہ تلنگانہ کی قیادت نے بھی اس بات پر غور کیا ہے۔ وزیر اعلیٰ ریونت ریڈی نے نوجوانوں میں فٹ بال کے بڑھتے ہوئے جنون کو تسلیم کرتے ہوئے لیونل میسی کو حیدرآباد آنے کی دعوت دی اور ارجنٹائن اور اسپین کے درمیان فیفا ورلڈ کپ فائنل کے لیے ہوٹلوں، ریستورانوں اور پبوں کو کھلا رہنے کی خصوصی رعایت کا اعلان کیا۔ اتوار کی شام سے پیر تک، کھیل کے شوقین رات 12:30 بجے کا میچ دیکھ سکتے ہیں، جس میں نئے سال کی رات (نیو ایئر ایو) کی طرز کی پابندیاں ہوں گی اور خلاف ورزیوں پر زیرو ٹولرینس (کوئی رعایت نہیں) ہوگی۔ یہ اقدام اگلی نسل پر کرکٹ کی کمزور ہوتی گرفت کو ظاہر کرتا ہے۔

نسلی تبدیلی: فٹ بال کی عالمی آگ بنام کرکٹ کی مدھم ہوتی روشنی۔

ورلڈ کپ قابلِ پیشن گوئی لگتے ہیں؛ جبکہ فٹ بال حقیقی ڈراما پیش کرتا ہے

آدھے سے زیادہ بڑے کرکٹ ممالک اب اسے اپنے سب سے پسندیدہ کھیل کے طور پر نہیں دیکھتے۔ جین زی (Gen Z) اور آنے والی نسلوں کے لیے، کرکٹ کی چمک تیزی سے مدھم ہو رہی ہے۔ انٹرنیٹ کی لت نے عام طور پر آؤٹ ڈور کھیلوں میں دلچسپی کم کر دی ہے، لیکن فٹ بال اپنے خالص جنون، کمزور ٹیموں کی کامیابی کی کہانیوں اور سال بھر کے جوش و خروش کے ساتھ اب بھی بڑے پیمانے پر عالمی کشش برقرار رکھے ہوئے ہے۔

جاری فیفا ورلڈ کپ اس جنون کی ایک مثال ہے، جو اربوں لوگوں کو غیر متوقع نتائج کے ذریعے متحد کرتا ہے۔ اس کے برعکس، کرکٹ ورلڈ کپ اکثر طویل لیگز کی طرح لگتے ہیں جہاں صرف 2 یا 3 ٹیمیں ہی واقعی مقابلہ کرتی ہیں، اور انڈیا پہلے سے ہی بھاری فیورٹ کے طور پر داخل ہوتا ہے جس سے سسپنس ختم ہو جاتا ہے۔ 2011 کا وہ دور، جب آسٹریلیا، ساؤتھ افریقہ اور پاکستان جیسی مضبوط ٹیمیں بالادستی کے لیے لڑتی تھیں، اب بہت دور کا منظر لگتا ہے۔

انجینئرنگ کے طالب علم روہن ریڈی سسپنس کی کمی کا ذکر کرتے ہوئے کہتے ہیں "ورلڈ کپ اب ایک لیگ کی طرح بن گیا ہے... انڈیا کے جیتنے کے 99 فیصد امکانات ہوتے ہیں، اس لیے کوئی سسپنس نہیں رہتا۔

لیکچرر منور علی کا کہنا ہے کہ کھلاڑی، گھریلو شہرت اور دولت سے مطمئن ہو کر، بین الاقوامی سطح پر کھیل کی کم بھوک دکھاتے ہیں۔ لڑائیوں، روایتی دشمنیوں یا واضح جوش و خروش کے بغیر، مداحوں کے لیے جذباتی طور پر جڑنا مشکل ہو جاتا ہے۔

کرکٹ کے غیر اہم یا غیر متعلقہ ہونے کا خطرہ ہے جب تک کہ وہ اپنی روح - یعنی مسابقتی توازن، قومی فخر اور غیر متوقع ڈرامے کو دوبارہ تلاش نہ کر لے۔ تب تک، فٹ بال کی عالمی دھڑکن نوجوانوں کو اپنی طرف کھینچتی رہے گی۔

□□□

ہندوراشٹر کے تصور کو درست ثابت کرنے کی کوشش، آر ایس ایس سربراہ نے ہندوؤں کی اقسام گنوائیں

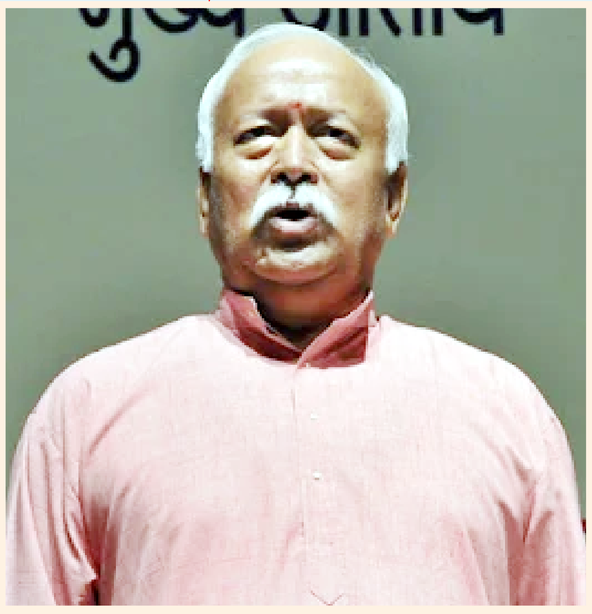

آوازِ تسنیم

آر ایس ایس کے سربراہ موہن بھاگوت ہندوراشٹر کے تصور کو درست ثابت کرنے کے لیے طرح طرح کی نظریاتی قلابازیاں کھاتے رہتے ہیں۔ وہ کئی بار کہہ چکے ہیں کہ بھارت میں رہنے والے سبھی لوگ ہندو ہیں، ہمارے آباؤ اجداد ایک ہی تھے وغیرہ۔ مگر مسئلہ یہ ہے کہ پرانے آر ایس ایس مفکرین یہ مؤقف پیش کرتے رہے ہیں کہ اسلام اور عیسائیت غیر ملکی مذاہب ہیں۔ ہندو قوم پرستی کے نظریے کے بانی وی۔ ڈی۔ ساورکر نے ہندو کی تعریف کرتے ہوئے کہا تھا کہ ہندو وہ ہے جو سندھ سے سمندر تک کی سرزمین کو مقدس اور اپنی آبائی سرزمین مانتا ہو۔ دوسرے سرسنگھ چالک ایم۔ ایس۔ گولوالکر کا کہنا تھا کہ ہندوراشٹر کی تعمیر کے لیے ہم جرمنی کے ماڈل کی پیروی کریں گے جہاں بڑی تعداد میں یہودیوں کو اذیتیں دی گئیں اور پھر انہیں گیس چیمبروں میں بھیج کر جرمن قوم کی تشکیل کی گئی۔ حال ہی میں بھاگوت نے اسی بیان کا زیادہ نرم اور چکنا چپڑا ورژن پیش کیا ہے۔

آر ایس ایس یہ بھی کہتی رہی ہے کہ ہندو دراصل کوئی مذہب نہیں بلکہ ایک طرزِ زندگی ہے۔ یہ دعویٰ سماجیاتی نقطہ نظر سے غلط ہے، جس کے مطابق معبود، رسومات، مقدس کتابیں، پجاری طبقہ وغیرہ مذہب کے بنیادی عناصر سمجھے جاتے ہیں۔ حال ہی میں انہوں نے ہندوؤں کی ایک انوکھی درجہ بندی پیش کی جس کا مقصد مسلمانوں اور عیسائیوں میں موجود حاشیے پر ہونے کے احساس کو کم کرنا تھا۔ ہندو مذہب کی نہایت عجیب تعریف دیتے ہوئے انہوں نے کہا، "اگر آپ بھارتی ہیں تو یہ فطرت (ہندو) آپ کے اندر موجود ہے۔" انہوں نے زور دے کر کہا کہ مسلمان اور عیسائی ہندوراشٹر کے ناقابلِ تقسیم حصے ہیں۔ اس کے بعد انہوں نے ملک کے ہندوؤں کو چار بڑے گروہوں میں تقسیم کیا۔ انہوں نے کہا کہ پہلے گروہ میں وہ لوگ شامل ہیں جو اپنی ہندو شناخت کا فخر سے اعلان کرتے ہیں۔ دوسرے گروہ میں وہ لوگ ہیں جو خود کو ہندو مانتے ہیں لیکن اس میں انہیں کوئی خاص امتیاز محسوس نہیں ہوتا۔ بھاگوت کے مطابق تیسرا گروہ ان لوگوں کا ہے جو صرف نجی گفتگو میں اپنی ہندو شناخت کا ذکر کرتے ہیں۔ چوتھے گروہ میں وہ لوگ شامل ہیں جو یا تو اپنی ہندو شناخت بھول چکے ہیں یا انہیں بھلا دی گئی ہے۔ ان کے مطابق خوددار ہندو کون ہیں؟ وہ جنہوں نے بابری مسجد کو منہدم کیا؟ وہ جو مسجدوں کے سامنے ناچتے ہیں اور گالیوں سے بھرے نعرے لگاتے ہیں؟ وہ جو کانوڑ یاتریوں کے بھیس میں سڑکوں پر ہنگامہ کرتے ہیں؟ اگرچہ انہوں نے یہ واضح نہیں کیا، لیکن ہمیں اس کا اندازہ لگانا ہوگا۔ بابا صاحب امبیڈکر ایک ہندو خاندان میں پیدا ہوئے تھے، لیکن بعد میں انہوں نے 'منوسمرتی' جلائی اور اعلان کیا کہ اگرچہ وہ ہندو پیدا ہوئے ہیں، لیکن وہ ہندو کے طور پر نہیں مریں گے۔ آر ایس ایس سربراہ انہیں کس زمرے میں رکھیں گے؟ وہ بھارتی آئین کے بارے میں کیا کہیں گے — ایک 'اچھے' ہندو کا تیار کردہ ضابطہ قانون، یا کچھ اور؟ ان کی تنظیم نے تو یہ کہہ کر آئین کی مخالفت کی تھی کہ یہ مغربی اقدار پر مبنی ہے اور اس میں کچھ بھی بھارتی نہیں ہے۔

اس وقت آر ایس ایس کی مشکل یہ ہے کہ مسلمانوں، عیسائیوں، دلتوں اور آدیواسیوں کو آر ایس ایس سے جوڑنے کے لیے اسے مسلمانوں اور عیسائیوں کے بارے میں احترام کے ساتھ بات کرنے کی قلابازی دکھانی ہوگی۔ ویسے بھی ہندو مذہب کی تعریف کرنا یقیناً ایک مشکل کام ہے۔ اس کی کئی وجوہات ہیں۔ پہلی یہ کہ ہندو مذہب کسی ایک پیغمبر پر مبنی مذہب نہیں ہے۔ اس کا کوئی ایک بانی نہیں ہے۔ دوسری وجہ یہ ہے کہ دنیا کے اس خطے میں پروان چڑھنے والی کئی مذہبی روایات ہندو مذہب میں شامل ہو گئی ہیں۔ تیسری یہ کہ ہندو مذہب کی رسومات میں اتنا تنوع ہے کہ انہیں ایک ہی رنگ میں نہیں رنگا جا سکتا۔ اس میں یہ بھی شامل کیا جا سکتا ہے کہ مختلف ادوار میں ترقی پانے والے خیالات اور روایات آج بھی ایک ساتھ اس مذہب کا حصہ ہیں۔ بھگوان ستیہ نارائن اور سنتوشی ماتا کی پوجا بھی ہوتی ہے اور ساتھ ہی سگون اور نرگون ایشور کے تصورات بھی موجود ہیں۔

ہندو مذہب سے جڑا ایک بنیادی مسئلہ یہ ہے کہ ورن (ذات) کا نظام مذہب کے اہم پہلوؤں پر گہرا اثر رکھتا ہے، سماجی عدم مساوات کو مذہبی جواز حاصل ہے، اور ورن نظام اس کی مذہبی کتابوں اور روایات کے مرکز میں موجود ہے۔ آریہ، جو کئی مراحل میں بھارت آئے، مویشی پالنے والے اور کثیر خداؤں پر یقین رکھنے والے تھے۔ ابتدائی دور میں وید تحریر کیے گئے، جو اس زمانے کی اقدار کی جھلک پیش کرنے کے ساتھ ساتھ مختلف قسم کے بے شمار دیوی دیوتاؤں کا ذکر کرتے ہیں اور کثیر خدائی کے وجود کو ظاہر کرتے ہیں۔ 'منو کے قوانین' سماج کے رہنما اصول تھے۔ ویدی دور کے بعد برہمن واد کا زمانہ آیا۔ اس دور میں سماج کا اشرافیہ عام لوگوں سے مکمل طور پر الگ ہو گیا۔ اسی دور میں ذات پات کے نظام کے ذریعے اشرافیہ کو ممتاز رکھنے کا نہایت مؤثر نظام قائم ہوا۔

جب بدھ مت نے ذات پات کے نظام کو چیلنج کیا تو برہمن واد ایک ایسے دور میں داخل ہونے پر مجبور ہوا جسے ہندو مذہب کہا جا سکتا ہے۔ اس دور میں سماجی اور مذہبی روایات سے سماج کے نسبتاً بڑے طبقے کو جوڑا گیا اور عوامی تقریبات اور رسومات قائم کی گئیں تاکہ عام لوگوں کو بدھ مت کی طرف مائل ہونے سے روکا جا سکے۔ یہاں ایک دلچسپ بات قابلِ غور ہے کہ آٹھویں صدی تک نام نہاد ہندو مذہبی متون میں 'ہندو' لفظ استعمال نہیں کیا گیا تھا۔ یہ لفظ مغربی ایشیا کے مسلمانوں کی آمد کے ساتھ وجود میں آیا۔ وہ دریائے سندھ کے اِس پار رہنے والوں کو ہندو کہتے تھے۔ اس طرح ہندو لفظ دراصل ایک جغرافیائی خطے کا نام تھا۔ بعد میں اس خطے میں پروان چڑھنے والے مذاہب کو ہندو کہا جانے لگا۔ ذات پات کے نظام کے شکار لوگوں نے مذہب تبدیل کرنے کی ہر ممکن کوشش کی۔ انہوں نے بدھ مت، اسلام، کسی حد تک عیسائیت اور بعد کے دور میں سکھ مذہب اختیار کیا۔

ہندو مذہب کے اندر بھی دو دھارائیں ایک دوسرے کے ساتھ ساتھ چلتی رہیں: برہمن واد اور شرمن واد۔ شرمنوں نے برہمنوں کے غلبے کی مخالفت کی اور ذات پات کے نظام کو مسترد کیا۔ اگرچہ غلبہ برہمن واد کا ہی رہا، لیکن ہندو مذہب کی دیگر روایات بھی برقرار رہیں جن میں تنتر، بھکتی، شیومت، سدھانت وغیرہ شامل تھے۔ شرمنوں نے ویدی اقدار اور قوانین کو قبول نہیں کیا۔ جہاں برہمن واد نے مذہبی روایات کو ذات کی بنیاد پر تقسیم کیا، وہیں شرمن واد نے ذات پات کے امتیاز کو مسترد کیا۔ برہمن وادی ہندو مذہب کا غلبہ اس لیے برقرار رہا کیونکہ وہ حکمرانوں سے وابستہ تھا۔ وقت گزرنے کے ساتھ نچلی ذاتوں کی ہندو روایات کو نظرانداز کر کے صرف برہمن واد کو ہی ہندو مذہب کی حیثیت دی جانے لگی۔ یہ رجحان مگدھ اور موریہ سلطنتوں کی جانب سے بدھ اور جین مذاہب کو کچلنے کے ساتھ شروع ہوا۔ بعد میں انگریزوں کی آمد کے ساتھ، جو بھارتی سماج کو سمجھنا چاہتے تھے، برہمن وادی روایات پر مبنی ہندو شناخت تمام غیر مسلموں اور غیر عیسائیوں پر مسلط کر دی گئی۔ وید اور دیگر برہمن وادی مذہبی متون کو ہندو مذہبی کتابوں کے طور پر پیش کیا گیا۔ اس سے ہندو مذہب کی تنوع پر مبنی شناخت دھندلا گئی اور برہمن واد ہی کو ہندو مذہب کی نمائندہ حیثیت مل گئی۔ اسی لیے آج ہندو مذہب کو برہمن وادی رسومات، مذہبی کتابوں اور برہمنوں کے غلبے سے جوڑا جاتا ہے۔

جناب بھاگوت کو ہندوؤں کی اپنی درجہ بندی میں ذات پات کے نظام کو بھی مدنظر رکھنا چاہیے تھا۔ سوال یہ بھی ہے کہ انتہائی متنوع اور وسیع ہندو مذہب میں بھاگوت کے ہندوؤں کے یہ چار طبقے آخر کہاں رکھے جائیں گے۔

SIR کا مسئلہ اقوام متحدہ تک پہنچ گیا، مسلمانوں کے ساتھ ناانصافی پر تشویش

- UNO کی جانب سے ہندوستانی جواب کی طلبی ● اقلیتوں کے نام کے اخراج پر تشویش کا اظہار
- ظلم کی عمر چھوٹی۔ آسمانی لاٹھی میں آواز نہیں ہوتی ● SIR پر بین الاقوامی نظریں
- 2023 میں اوباما نے کہا تھا کہ ہندوستان ٹوٹے گا ● ملک کی یکجہتی کے لئے عوام متحد

آوازِ تسنیم

حضرت موسیٰ علیہ السلام نے ایک بار اللہ تعالیٰ سے سوال کیا، اے اللہ! بندوں سے تیرے ناراض ہونے کی کیا نشانی ہے؟ ہمیں کیسے پتہ چلے کہ تو ہم سے ناراض ہے تو اللہ تعالیٰ نے فرمایا کہ جب تم یہ دیکھو کہ بارشیں بغیر موسم کے ہو رہی ہیں، حکومت بیوقوفوں کے پاس ہے، مال بخیلوں کے پاس ہے تو سمجھ لینا کہ میں ناراض ہوں۔ ہندوستان کے حالات پر جب ہماری نظر پڑتی ہے تو موسیٰ علیہ السلام کے سوال کے جواب میں اللہ تعالیٰ کا کہا کتنا عظیم سچ ہے۔ آج وہ ساری باتیں ہمیں اپنے سماج میں دکھائی دیتی ہیں جس کی وجہ سے ہم مصیبتوں، تکلیفوں، ظلم اور بربریت کے واقعات سے دوچار ہیں کیونکہ ہمارے اللہ ہم سے ناراض ہیں۔ اسی پس منظر میں ایک اور بات بھی واضح طور پر ہمارے ذہنوں میں آ جاتی ہے کہ جب ظلم بڑھ جاتا ہے تو اللہ تعالیٰ ظالم کو اپنی دبوچ میں لے لیتے ہیں اور پھر اس کے بعد امن و سکون کا ایک دور دورہ شروع ہو جاتا ہے اسی لئے ہمیں صبر، فکر، شکر اور ذکر کی ہدایتیں دی گئیں ہیں۔

بین الاقوامی سطح پر ہندوستان کے اقلیتوں خاص طور پر مسلمانوں، سکھوں اور عیسائیوں پر کئے جا رہے ہیں مظالم پر بے انتہا افسوس کا اظہار کیا جا رہا ہے۔ ملک بھر میں چل رہے SIR کے کام پر ساری دنیا کو تشویش ہونے لگی ہے کیونکہ اس میں اقلیتوں کے ساتھ غلط سلوک کیا جا رہا ہے اور ان کے نام کسی نہ کسی بہانے سے خارج کئے جا رہے ہیں۔ یہی وجہ ہے کہ اقوام متحدہ کے تین خصوصی ماہرین نے ووٹر لسٹوں کی خصوصی نظر ثانی (SIR) کے عمل پر اپنی تشویش کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ حکومتِ ہند سے اس ضمن میں وضاحت طلب کر لی گئی ہے۔ اقوامِ متحدہ کے ماہرین نے اپنے مراسلے میں کہا ہے کہ انہیں ایسی اطلاعات موصول ہوئی ہیں جن کے مطابق ووٹر لسٹ سے نام خارج کیے جانے کا عمل مسلم، بنگالی النسل اور دیگر اقلیتی برادریوں کو غیر متناسب طور پر متاثر کر سکتا ہے۔ ماہرین نے انتخابی عمل کی شفافیت، مناسب وقت کی فراہمی اور موثر اپیل کے نظام پر بھی سوالات اٹھائے ہیں۔ دوسری جانب الیکشن کمیشن آف انڈیا نے ان خدشات کو مسترد کرتے ہوئے کہا ہے کہ ووٹر فہرستوں کی خصوصی نظر ثانی آئین اور قانون کے مطابق کی جا رہی ہے اور اس کا مقصد صرف انتخابی ریکارڈ کو درست اور تازہ رکھنا ہے۔ کمیشن کا کہنا ہے کہ اہل ووٹروں کے حقوق کا مکمل تحفظ کیا جا رہا ہے۔ سیاسی جماعتوں اور انسانی حقوق کی متعدد تنظیموں نے مطالبہ کیا ہے کہ انتخابی عمل پر عوام کے اعتماد کو برقرار رکھنے کے لیے تمام شکایات کی شفاف اور غیر جانب دارانہ جانچ ضروری ہے۔ اسی دوران سپریم کورٹ نے بھی اپنے ایک فیصلہ میں یہ کہہ دیا کہ اگر نام کے املہ میں غلطی بھی ہو تو کسی کی شہریت منسوخ نہیں کی جا سکتی اور الیکشن کمیشن جیسے ادارہ کو کسی کی شہریت ختم کرنے کا کوئی حق نہیں۔ اس دوران این ڈی اے کی سرکار ڈکیتی کرتے ہوئے ارکان پارلیمان کو خرید رہی ہیں تاکہ اسے دو تہائی اکثریت حاصل ہو جائے اور وہ یونیفارم سیول کوڈ اور Delimitation جیسے سفاک قوانین کو لاگو کر سکے جو کسی بھی حالت میں ہندوستان کے حق میں نہیں ہوں گے کیونکہ اس میں حکومت کی نیت صاف نہیں ہے اور وہ اقلیتوں خاص طور پر مسلمانوں کو نقصان پہنچانا چاہتی ہے۔ بہرحال بگڑتے ہوئے حالات کو

بچانے کے لئے ہندوستان کے عوام کو مضبوطی کے ساتھ آگے بڑھ کر اس طرح کے عظائم کو شکست فاش دینا ہوگا اور یہ کہنا ہوگا کہ ہر ظلم و دغا کی ٹکر میں ہڑتال ہمارا نعرہ ہے۔ دنیا کا ہر دانشور ہندوستان کے حالات کو بہت ہی باریک نگاہوں سے دیکھ رہا ہے۔ جون 2023 میں امریکہ کے سابق صدر بارک اوباما نے کہا تھا کہ اگر ہندوستان میں مسلمانوں، عیسائیوں اور سکھوں پر ظلم کے واقعات کو روکا نہیں جائے گا تو انہیں ڈر ہے کہ ہندوستان تقسیم کی ڈگر پر پہنچ جائے گا۔ ہم بارک اوباما کی اس بات سے متفق نہیں ہے کیونکہ ہندوستانی چاہے وہ ہندو ہو کہ مسلم، سکھ ہو کہ عیسائی ہمیشہ مل جل کر رہے ہیں اور آنے والے خطرات کو بھی اپنے اٹوٹ اتحاد کے ذریعہ ظالموں کو شرمناک شکست دیں گے کیونکہ ہمارا احساس ہے کہ

کچھ بات ہے کہ ہستی مٹتی نہیں ہماری
صدیوں رہا ہے دشمن دورِ زماں ہمارا
یونان و مصر و روما سب مٹ گئے جہاں سے
اب تک مگر ہے باقی نام و نشاں ہمارا

उम्मीद की एक नई रोशनी, आवाज़-ए-तसनीम की विशेष प्रस्तुति

दिल्ली की 10 प्रेरणादायक हस्तियों की अनकही सफलता की कहानी

आवाज़ ए तसनीम

दिल्ली केवल भारत की राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों, संघर्ष और सफलता की राजधानी भी है। यह उन लाखों उद्यमियों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों, कलाकारों और पेशेवरों का शहर है, जो देश के अलग-अलग छोटे शहरों और कस्बों से अपने सपनों को लेकर यहाँ आए।

इनमें से कई लोगों ने अपने संघर्ष, मेहनत और लगन के दम पर न केवल अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा भी बने। कुछ ऐसी हस्तियाँ हैं जिन्होंने अपनी उपलब्धियों से सफलता की नई ऊँचाइयाँ छुईं और अपने कार्यों से अनगिनत लोगों के जीवन में उम्मीद की नई रोशनी जगाई। आवाज़-ए-तसनीम की विशेष पॉडकास्ट श्रृंखला ÷उम्मीद की एक नई रोशनी÷ में हम आपको मिलवाएँगे दिल्ली की ऐसी 10 प्रेरणादायक हस्तियों से, जिनकी जीवन यात्रा, संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण उन्हें असाधारण बनाता है। यह केवल सफलता की कहानियाँ नहीं होंगी, बल्कि उन मूल्यों की भी दास्तान होगी जिन्होंने इंसानियत, सेवा और सकारात्मक बदलाव को नई पहचान दी।

सिराजुद्दीन कुरैशी

एक प्रसिद्ध उद्योगपति जो मांस उद्योग और खाद्य प्रसंस्करण में अग्रणी थे। इसके अलावा, वह दिल्ली में इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर के संस्थापकों में से एक हैं। वह अपने हिंद समूह के तत्वावधान में मांस और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के आधुनिकीकरण और विस्तार में अग्रणी रहे हैं। उन्होंने पहला आधुनिक बूचड़खाना स्थापित किया और अपने खाद्य व्यवसाय का विस्तार 50 देशों तक किया।

हालांकि, समाज के लिए उनका स्थायी योगदान कुरैशी परिवार, जो छोटे-मोटे मांस विक्रेता और व्यापारी थे, के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के उनके अथक अभियान में है। उन्होंने अपने समुदाय के सदस्यों को लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने, सादगीपूर्ण विवाह करने और युवाओं को विभिन्न व्यवसायों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने का संकल्प दिलाया। उनका सामाजिक अभियान इतना सफल रहा कि आज, केवल 20 प्रतिशत कुरैशी पुरुष ही मांस विक्रेता हैं, और महिलाओं का शैक्षिक स्तर ऊँचा है।

अज़रा नक़वी

अज़रा नक़वी कई भूमिकाएँ निभाती हैं, लेकिन उनका जुनून उर्दू है, वह भाषा जिसमें वह साँस लेती हैं, सोचती हैं और जो उनके डीएनए में है। अपने पति के साथ कई देशों में एक संतुष्ट जीवन जीने और विभिन्न व्यवसायों और भूमिकाओं में हाथ आजमाने के बावजूद, उनका दिल हमेशा अपनी पसंदीदा भाषा के लिए तरसता रहा। इसलिए जब उन्हें रेख़्ता फ़ाउंडेशन के साथ सलाहकार संपादक के रूप में काम करने का मौका मिला, तो उन्होंने इस अवसर का भरपूर लाभ उठाया।

रेख़्ता में उर्दू के प्रति अपने जुनून को पूरा करने के अलावा, अज़रा नक़वी ने अपने मोबाइल पर व्हाट्सएप एप्लिकेशन का एक अभिनव उपयोग खोजा। सबसे पहले, उन्होंने 200 उर्दू महिला लेखकों को जोड़कर अपनी तरह का पहला साहित्यिक संगठन, बैनलकवामी निस्साई अदाबी तंज़ीम (BANAT) स्थापित किया। BANAT ने उर्दू लेखकों का एक समूह बनाया है। अब तक, BANAT ने व्हाट्सएप संचार पर आधारित दो संकलन प्रकाशित किए हैं, जबकि तीसरा संकलन निर्माणाधीन है। अज़रा नक़वी ने व्हाट्सएप ग्रुप का उपयोग करते हुए 40 महिला लेखकों की विषय-आधारित रचनाएँ एकत्र कीं। 'ग्रुप में धर्म या साहित्य के अलावा किसी और विषय पर चर्चा न करने का एक सख्त नियम है।'

सिराज खान

'यस वी कैन' आपको बराक ओबामा की याद दिलाएगा, लेकिन सिराज के संदर्भ में यह एक अनुस्मारक के रूप में खड़ा है कि एकता और अवसर जीवन बदल सकते हैं। उनका गैर-लाभकारी संगठन समुदायों को सशक्त बनाने, युवा क्षमता को पोषित करने और विकास के लिए सुरक्षित स्थान बनाने के लिए समर्पित है। इस आंदोलन के केंद्र में पुरानी दिल्ली के एक परिवर्तनकारी शिराज खान हैं, जिनकी आत्म-खोज और लचीलेपन की यात्रा ने 'यस वी कैन' के चरित्र को आकार दिया है। यस वी कैन के बीज 2015 में बोए गए थे। शिराज खान और उनके सह-संस्थापक, नंदीश के लिए, महामारी केवल एक संकट नहीं थी; यह एक चेतावनी भी थी।

उन्हें एहसास हुआ कि लोगों को न केवल भौतिक रूप से, बल्कि प्रेरणा, मार्गदर्शन और समुदाय के रूप में भी सहयोग की आवश्यकता है। ज़मीनी स्तर पर जागरूकता अभियानों से लेकर युवा-नेतृत्व वाले समूहों के साथ सहयोग तक, यस वी कैन तेज़ी से एक ऐसे क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ है जहाँ संभावना और कार्रवाई का मिलन होता है। शिराज अक्सर कहते हैं, जो संगठन के निर्भरता के बजाय लचीलापन बनाने पर केंद्रित होने को दर्शाता है।

सहर हाशमी

भारत में मानसिक स्वास्थ्य एक वर्जित विषय बना हुआ है; अवसाद, चिंता या व्यक्तित्व विकार जैसे शब्दों पर या तो हँसी उड़ाई जाती है या फिर शर्मिंदगी महसूस होती है। इस गहरी खामोशी को तोड़ रही हैं दिल्ली की 29 वर्षीय सहर हाशमी। उन्होंने न केवल अपनी मानसिक बीमारी पर काबू पाया, बल्कि चुपचाप पीड़ित अन्य लोगों के लिए आशा की किरण भी बनीं। एक समय, सहर हाशमी नैदानिक अवसाद और सीमांत व्यक्तित्व विकार से जूझ रही थीं। इलाज के दौरान, वह बहुत अकेली, असहाय और अलग-थलग महसूस करती थीं। उनके संघर्ष ने उन्हें मानसिक स्वास्थ्य पर काम करने के लिए प्रेरित किया।

अप्रैल 2025 में, सहर ने 'कलंक तोड़नाः एक मील एक समय में' नामक एक अभियान शुरू किया। उन्होंने दिल्ली से कश्मीर तक 2,779 किलोमीटर की साइकिल यात्रा की। यह यात्रा सिर्फ़ भौगोलिक सीमाओं को पार करने की नहीं थी, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर समाज के कलंक और चुप्पी के ख़िलाफ़ एक भावनात्मक यात्रा थी।

असगर अली, एक वरिष्ठ चित्रकार

दिल्ली के कलाकार असगर अली ने अपनी कला के माध्यम से समाज में गंगा-जमुनी तहज़ीब (समावेशी भारतीय संस्कृति) का संदेश फैलाने का बीड़ा उठाया है। असगर अली, जो धर्म से मुसलमान हैं, ने भगवान कृष्ण और उनके जीवन चरित्र पर आधारित 50 से ज़्यादा पेंटिंग्स बनाई हैं। असगर अली ने बताया कि बचपन से ही वे श्री कृष्ण से मोहित और प्रभावित थे; उनके मोर पंख और बांसुरी के रंग।

असगर अली की प्रमुख कृतियाँ श्री कृष्ण (बाल कृष्ण) के बाल रूप, उनकी युवावस्था, महाभारत युद्ध में उनके उद्देश्यों और उनकी लीलाओं पर केंद्रित हैं। उनका कहना है कि किसी भी पेंटिंग की खूबसूरती उसकी बारीकियों में होती है। उन्होंने कहा, 'मैंने भी अपनी पेंटिंग्स में इस बात को बहुत खूबसूरती से दिखाने की कोशिश की है।' असगर अली ने हाल ही में हरियाणा के कुरुक्षेत्र में संपन्न अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में अपने कृष्ण-विषयक चित्रों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की थी, जहाँ लोगों ने उनके काम की सराहना की थी।

आमना मिर्ज़ा

आमना मिर्ज़ा एक अग्रणी शिक्षिका हैं जो दिल्ली में बिखरे इतिहास के टुकड़ों के बीच अपनी कक्षा के बाहर व्याख्यान देना पसंद करती हैं। वह न केवल शिक्षण को रोचक बनाती हैं, बल्कि विरासत और आधुनिकता के मेल में भी मदद करती हैं।

आधुनिक दुनिया की भागदौड़ में, डॉ. आमना मिर्ज़ा एक शिक्षिका के रूप में उभर कर सामने आती हैं जो लोगों की मानसिकता में गहरा बदलाव ला रही हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान की प्रोफ़ेसर। डॉ. मिर्ज़ा का सफ़र अकादमिक जगत से जुड़ी अक्सर होने वाली कठोरता को चुनौती देता है। वह कई भूमिकाएँ सहजता से निभाती हैं: शिक्षिका, सामाजिक कार्यकर्ता, सांस्कृतिक संरक्षक, और सबसे बढ़कर, एक गौरवान्वित दिल्लीवासी जो अपने लोगों और बहुलता के माध्यम से एक राष्ट्र की आत्मा को पोषित करने में विश्वास करती हैं।

मो. मेराज राईन

मुस्लिम आबादी के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से वाले मूल निवासी पसमांदा मुसलमानों की स्थिति में सुधार के लिए मो. मेराज राईन का समावेशी अभियान सामाजिक बदलाव को आकार दे रहा है।

राईन कहती हैं, 'केवल राजनीति ही हर समस्या का समाधान नहीं हो सकती।' इसी सोच के आधार पर उन्होंने एक साल पहले 'पसमांदा विकास फाउंडेशन' की स्थापना की। इस संस्था ने लोगों के जीवन में बदलाव लाने और समुदाय में नई आशा और विश्वास जगाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

यह फाउंडेशन राजनीतिक मंचों पर पसमांदा मुसलमानों के अधिकारों के पक्ष में बयानबाजी नहीं करता; यह शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर काम करता है। मेराज रईन का मानना है कि पसमांदाओं का विकास समुदाय के सदस्यों की जागरूकता और सहयोग से ही संभव है, बल्कि पूरे मुस्लिम समाज, खासकर अशराफ वर्ग के सहयोग से ही संभव है।

उवैस अली खान

एक सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट और एक परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं, जिनकी यात्रा समाज के लिए दृढ़ संकल्प और सेवा का प्रतीक है।

उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और नई दिल्ली के लक्ष्मी नगर में एक छोटे से अपार्टमेंट में अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया। दोस्तों और बैंकों से कर्ज लेकर, उन्होंने न केवल एक कंपनी, बल्कि बदलाव का एक मंच भी बनाना शुरू किया। उवैस एक सरल लेकिन प्रभावशाली विचार में विश्वास करते हैं: 'किसी व्यक्ति को बुनियादी कौशल प्रदान करने से उसके लिए नौकरी पाने के रास्ते खुल सकते हैं। वह एक अवसर पीढ़ियों तक एक परिवार का जीवन बदल सकता है।'

सैयद साहिल आगा

कहानी सुनाना सूफ़ी और ख़ानक़ाह; यह शांति और प्रेम के संदेश का माध्यम है, जो देशभक्ति, एकता और धार्मिक सद्भाव का संचार करता है और गंगा-जमुनी सभ्यता को पोषित करता है। इसी परंपरा को ध्यान में रखते हुए, सैयद साहिल आगा ने इस कला को पुनर्जीवित किया और इसे आधुनिक संदर्भ दिया। आज, वे कहानी कहने की दुनिया के सबसे जाने-माने नामों में से एक हैं।

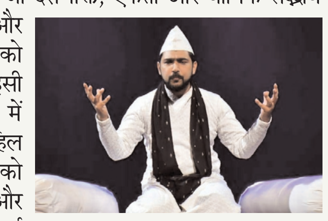

सैयद साहिल आगा भारत और विदेशों में कहानी कहने के कार्यक्रम आयोजित करते हैं। वे कहते हैं, 'मुझे एहसास हुआ कि लोग पढ़ने की बजाय सुनना ज़्यादा पसंद करते हैं, इसलिए मैंने सोचा कि कहानियाँ सुनाई जानी चाहिए ताकि लोग अतीत से परिचित हो सकें और उससे सबक भी सीख सकें।' वे कहते हैं कि उनका उद्देश्य केवल कहानियाँ सुनाना ही नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता को बढ़ावा देना भी है।

अदीबा अली

अदीबा अली का जीवन मानवीय साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति की शक्ति का प्रमाण है। 17 वर्षीय अदीबा न केवल पैरा-शूटिंग की दुनिया में एक उभरता सितारा हैं, बल्कि आत्म-दया और लाचारी से जूझ रहे कई अन्य लोगों के लिए प्रेरणा भी हैं। पाँच साल पहले, अदीबा निज़ामुद्दीन स्थित अपने घर की बालकनी से गिर गई थीं। पिछले साल, उन्होंने दिसंबर 2023 में मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी, भोपाल में आयोजित 26वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। अदीबा की सफलता केवल दो पदक जीतने की कहानी नहीं है; यह दृढ़ता की कहानी है जिसने विकलांगता को एक बाधा नहीं, बल्कि एक नई पहचान में बदल दिया।

राजस्थान साइबर क्राइम कन्ट्रोल सेंटर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान साइबर क्राइम कन्ट्रोल सेंटर का किया अवलोकन

साइबर अपराध पर शिकंजा कसने को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश, साइबर ठगों और उनकी संपत्तियों पर की जाए कड़ी कार्रवाई

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में R4C (राजस्थान साइबर क्राइम कन्ट्रोल सेंटर) और उसके तहत संचालित हेल्पलाइन 1930 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में साइबर अपराधों के विरूद्ध की जा रही प्रभावी कार्रवाई का फीडबैक लेकर साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस के उच्च अधिकारियों की बैठक लेकर सोशल मीडिया सहित अन्य मीडिया माध्यमों के जरिए साइबर अपराधों के विरुद्ध आमजन में जागरुकता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि स्कूलों एवं कॉलेजों में भी विशेष जागरुकता अभियान चलाए जाएं। उन्होंने बैंकिंग संस्थानों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर साइबर अपराधियों के बैंक खाते तुरंत ब्लॉक करवाने तथा आधुनिक तकनीक एवं डेटा विश्लेषण का उपयोग कर त्वरित कार्रवाई से साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने साइबर ठगों की गिरफ्तारी के साथ ही उनकी संपत्तियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने की शिकायतकर्ता से बातचीत

मुख्यमंत्री ने 1930 हेल्पलाइन के निरीक्षण के दौरान बाड़मेर से आए कॉल पर शिकायतकर्ता भैराराम से बातचीत की तथा इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स बढ़ाने को लेकर उसके साथ हुई साइबर धोखाधड़ी की पूरी जानकारी ली। इस संबंध में उन्होंने हेल्पलाइन द्वारा कंप्लेंट दर्ज करने से लेकर संबंधित थाने और बैंक में इसकी दी जाने वाली जानकारी की पूरी कार्यप्रणाली को देखा। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर के लाइव डेशबोर्ड और ट्रैकिंग सिस्टम का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराध की रोकथाम के लिए राज्य

सरकार निरंतर काम कर रही है। इसी क्रम में, उन्होंने ऋ4ष्ट के लिए नया भवन उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम में अपना बैंक खाता उपलब्ध करवाने वाले लोगों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हेल्पलाइन 1930 पर लगभग 95 प्रतिशत शिकायतें समय पर दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पहले 30 लाइनों पर शिकायतें सुनी जा रही थी। अब इसे विस्तार देते हुए 53 लाइनें कर दी गई हैं तथा इस हेल्पलाइन को तीन पारियों में संचालित किया जा रहा है। शीघ्र ही, हेल्पलाइन में 60 लाइनों की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे हर पीड़ित की शिकायत समय पर सुनी जा सके।

जून 2026 में कॉल टेकर लाइन, रिप्लाई प्रतिशत (टीसीएस एवं एनसीआरपी) में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। वहीं, पांच लाख से अधिक की साइबर धोखाधड़ी पर 412 ई-जीरो एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं।

नव निर्मित कक्षा-कक्षों का लोकार्पण

स्कूल खुलने के साथ ही पाठ्य पुस्तकें बच्चों को मिलीं : शिक्षा मंत्री

जयपुर(नि.सं.)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले ढाई साल में शिक्षा के क्षेत्र में कई सुधार किए गए हैं और परिणामस्वरूप राजस्थान आज शिक्षा के क्षेत्र में देश में चौथे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि पहली बार मार्च माह में ही बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू कर दिया गया है। सरकारी विद्यालयों के 70 लाख बच्चों को स्कूल खुलने के साथ ही पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करवा दी गई, जबकि पहले दो-तीन माह तक बच्चों के पास किताबें नहीं होती थी जिससे पढ़ाई बाधित होती थी। उन्होंने कहा कि स्कूल यूनिफॉर्म का पैसा सीधे खाते में उपलब्ध करवाया जा रहा है और होनहार बच्चियों को साइकिल खरीदने के लिए पैसा वाउचर के रूप में खाते में उपलब्ध करवाया जा रहा है ताकि योजना में मिली राशि का सदुपयोग हो और भ्रष्टाचार की आशंका नहीं रहे। उन्होंने कहा कि 65 लाख बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया है। शिक्षा मंत्री कोटा जिले में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लखावा में नव निर्मित कक्षा-कक्षों के लोकार्पण कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। श्री दिलावर ने समसा द्वारा निर्मित कक्षा-कक्ष के साथ ही शिव एडिबल ग्रुप द्वारा बनवाए गए दो कक्षा-कक्षों एवं बरामदे का भी लोकार्पण किया। शिक्षा मंत्री ने ग्रुप द्वारा 87 विद्यार्थियों को अच्छी क्वालिटी का फर्नीचर उपलब्ध करवाने के लिए श्री विष्णु कुमार साबू को साधुवाद दिया।

न्यूज इन बॉक्स

बोर्ड गेम्स के जरिए महिलाओं ने बनाई नई बिजनेस कनेक्टिविटी

एफबीएस वीमन फोरम जयपुर की नेटवर्किंग मीट रही खास, एंटरप्रेन्योर्स ने सुनाई सक्सेस स्टोरी

जयपुर (नि.सं.)। नेटवर्किंग को पारंपरिक परिचय सत्रों से आगे बढ़ाते हुए एफबीएस जयपुर वुमन एंटरप्रेन्योर्स नेटवर्किंग फोरम ने इस बार एक अनूठी पहल की। शहर के अरिरासा रेस्टोरेंट में आयोजित बोर्ड गेम्स आधारित नेटवर्किंग मीट में महिला उद्यमियों ने खेल-खेल में नए व्यावसायिक संबंध बनाए और आपसी संवाद को नई दिशा दी। कार्यक्रम की संस्थापक मेघा गुप्ता ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को ऐसा मंच देना था, जहां वे औपचारिक बातचीत के बजाय सहज माहौल में एक-दूसरे को समझ सकें और नए बिजनेस अवसरों की संभावनाएं तलाश सकें। इसके लिए जयपुर मीपल्स की ओर से कई रोचक बोर्ड गेम्स आयोजित किए गए, जिनमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। बोर्ड गेम्स के दौरान महिलाओं ने टीमवर्क, रणनीति और आपसी सहयोग के साथ खेल का आनंद लिया।

महिला किसानों ने लिया जैविक खेती का संकल्प

राजस्थान जैविक राज्य विजन-2030 पर हुआ मंथन, गौ-आधारित कृषि को बढ़ावा देने पर जोर

जयपुर(नि.सं.)। टोंक रोड स्थित वैदिक औषधीय पादप केंद्र में शनिवार को अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद और ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान महिला किसान संवाद समारोह-2026 आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आई महिला किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, जैविक खेती विशेषज्ञों, गौ-सेवा प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में महिला किसानों ने रसायन मुक्त खेती को अपनाने, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर राजस्थान के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। संवाद में महिला कृषि उद्यमिता, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, कृषि प्रसंस्करण और राजस्थान जैविक राज्य विजन-2030 जैसे विषयों पर भी मंथन हुआ।

प्रदेश के मरीजों को मिल रहा सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का लाभ

आरएमएससीएल की दवा खरीद एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली की भारत सरकार ने की सराहना

जयपुर(नि.सं.)। भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग के सचिव श्री मनोज जोशी ने राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) के माध्यम से रोगियों को सस्ती दर पर जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनाई जा रही खरीद प्रणाली की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इसके माध्यम से रोगियों को गुणवत्ता युक्त दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे उन पर आर्थिक भार कम हुआ है। जोशी ने शासन सचिवालय में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास एवं आरएमएससीएल के अधिकारियों के साथ बैठक में दवाओं की खरीद, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण व्यवस्था पर चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला अस्पतालों से लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक प्रत्येक स्तर पर आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आमजन को समय पर उपचार मिल सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरएमएससीएल के माध्यम से दवा वितरण केंद्रों पर बाजार भाव की तुलना में कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और प्रतिदिन 19 हज़ार केंद्रों पर लगभग 3.60 लाख लोगों को दवाई उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों का ही परिणाम है कि औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली (DVDMS) के केंद्रीय डैशबोर्ड पर मई माह के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है।

62वां स्थापना दिवस

महिला सशक्ति करण की मिसाल कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय ने मनाया 62वां स्थापना दिवस

जयपुर(नि.सं.)। महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राजस्थान के अग्रणी शिक्षण संस्थान, कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय ने अपना 62वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय की स्थापना 19 जुलाई 1965 को स्वर्गीय भागीरथ कानोड़िया द्वारा की गई थी। स्थापना दिवस के इस भव्य समारोह में एडिशनल डीसीपी साउथ व कालिका इंचार्ज रानू शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने कॉलेज की पिछले छह दशकों की शानदार उपलब्धियों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाविद्यालय आज भी छात्राओं के सर्वांगीण विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके बाद महाविद्यालय की निदेशक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी ने कॉलेज के ध्येय वाक्य 'आत्म दीपो भव' का उल्लेख किया। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आत्मविश्वास, आत्मबोध और आत्मप्रेरणा ही व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने छात्राओं को अपनी कल्पनाओं को उड़ान देने और स्वयं के व्यक्तित्व का निरंतर विकास करने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि एडिशनल डीसीपी रानू शर्मा ने अपने प्रेरक संबोधन से छात्राओं में ऊर्जा का संचार किया।

इंग्लैंड के हम पोलो ग्राउंड में जोधपुर का परचम, जोधपुर टाइगर्स ने जीता जोधपुर पोलो कप

जोधपुर(वि.सं.)। इंग्लैंड के प्रतिष्ठित हम पोलो ग्राउंड, लंदन में आयोजित जोधपुर पोलो कप में जोधपुर पोलो टाइगर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लंदन नाइट्स को 9 गोल से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। मुकाबले में जोधपुर टीम ने बेहतरीन तालमेल, आक्रामक खेल और सटीक रणनीति का प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। मैच के समापन पर महाराजा गज सिंह ने विजेता जोधपुर पोलो टाइगर्स को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। महाराजा गज सिंह के एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन हम पोलो क्लब, लंदन के अध्यक्ष नवाबजादा अख्तर पटौदी द्वारा किया गया। जोधपुर टाइगर्स की ओर से बख्तियार पटौदी, इब्राहिम, जेम्स बॉयड और एंटोनिनो ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

प्रदेश सरकार वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए कृत संकल्पित : जोगाराम पटेल

जयपुर(नि.सं.)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एक दिवसीय बाड़मेर दौरे पर रहे। उन्होंने चौहटन के वीरात्रा स्थित वांकल माता मंदिर में विधिवत पूजा - अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। मंदिर ट्रस्ट द्वारा विधि मंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा राजस्थान की भूमि अपने मंदिरों एवं आस्था स्थलों के लिए सम्पूर्ण देश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक अलग ही आकर्षण रखती है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अयोध्या, काशी विश्वनाथ और सोमनाथ को श्रद्धालुओं की आस्था के अनुरूप भव्य बनाकर देश में एक नये उत्साह का संचार किया है।

वीरात्रा धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में होगा विकसित: पटेल ने कहा पश्चिमी राजस्थान की संस्कृति, विरासत, और लोक कला को विशिष्ट वैश्विक पहचान दिलाने के लिए जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर और जालोर में थार सांस्कृतिक सर्किट विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा श्री वांकल धाम महातीर्थ वीरात्रा में रोप-वे निर्माण की डीपीआर का कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने कहा वीरात्रा को धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

ड्रग-फैक्ट्री पकड़ने पहुंची टीम को नकली घी का कारखाना मिला

गुजरात से मंगवाई मशीनों से मिलावट कर रहे थे, नमक से साफ हो रहा था क्रीम

बाड़मेर(वि.सं.)। बाड़मेर में MD फैक्ट्री की सूचना पर पहुंची डीएसटी को नकली घी बनाने की फैक्ट्री मिली। यहां घर में ही नकली घी बनाने का सेटअप बना रखा था। इसके बाद डीएसटी टीम ने स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। टीमों को यहां घी बनाने की 2 मशीन मिली। जिसमें नल लगाकर घी निकाला जा रहा था। बाजार से असली घी लाकर इसमें पाम आयल मिलाया जा रहा था। इसमें 60 प्रतिशत असली घी और 35 प्रतिशत पाम आयल और 5 प्रतिशत घी को दानेदार बनाने वाली मिलावटी सामग्री मिक्स करते थे।

एआई तकनीक

राजस्थान के सरकारी टीचर्स और स्टूडेंट्स को एआई सिखाया जाएगा

छात्र को किस सब्जेक्ट में ज्यादा मेहनत की जरूरत इसका भी पता लगाया जा सकेगा

उदयपुर(वि.सं.)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पढ़ाई की शुरुआत होने जा रही है। इसके जरिए टीचर्स और स्टूडेंट्स दोनों को एआई तकनीक से जोड़ना है। इसके लिए टीचर्स एआई टूल्स का इस्तेमाल सीखेंगे। वहीं, स्टूडेंट्स को एआई

के काम करने के तरीके, उसके सही और गलत उपयोग तथा डिजिटल सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में राजस्थान के 10 जिलों में करीब एक लाख शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण देने की तैयारी शुरू कर दी है।

इसके बाद यह मॉडल प्रदेश के अन्य जिलों तक विस्तार किया जाएगा। शिक्षा विभाग इस पर काम कर रहा है।

इसकी शुरुआत उदयपुर में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के जरिए की गई। इसमें प्रदेश की 34 डाइट की फैकल्टी को सबसे पहले समझाते हुए ट्रेनिंग दी गई।

लोकार्पण

बंधा और धर्मपुरा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में नव निर्मित सुविधाओं का शिक्षा मंत्री ने किया लोकार्पण

बच्चे प्रतिभाशाली और परिश्रमी, अवसर मिले तो रच सकते हैं इतिहास : मदन दिलावर

जयपुर(नि.सं.)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कोटा जिले के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बँधा एवं धर्मपुरा में समग्र शिक्षा योजनान्तर्गत नवनिर्मित सुविधाओं का लोकार्पण किया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बंधा में लगभग 49 लाख रुपये की लागत से विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय तथा कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए दो अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का निर्माण कराया गया है। वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धर्मपुरा

में लगभग 38 लाख रुपये की लागत से विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर कक्ष का निर्माण कराया गया है। विद्यालयों में इन नवीन सुविधाओं से बेहतर शैक्षणिक वातावरण का लाभ बच्चों को मिलेगा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने कहा कि बच्चे देश के कर्णधार हैं और उनका भविष्य संवारना प्रत्येक शिक्षक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को अपने बच्चों की तरह पढ़ाने, आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने तथा उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाला छात्र भी ग्रामीण पृष्ठभूमि से है।

آج کا پارلیمنٹ چلو مارچ 'ملک کی دوسری تحریک آزادی

کثیر تعداد میں حصہ لے کر کامیاب بنانے سونم وانگ چک کی اپیل

آوازِ تسنیم' ماحولیات کارکن سونم وانگ چک نے 20 جولائی کے مجوزہ پارلیمنٹ چلو مارچ کو ہندوستان کی ''دوسری تحریک آزادی'' قرار دیا۔ انہوں نے خوف سے آزادی اور ناانصافی سے آزادی کا نعرہ دیا اوراپنے حامیوں سے خواہش کی کہ وہ جلوس کو کامیاب بنائیں۔ ہاتھ سے لکھے پیام میں جسے صفدر جنگ ہاسپٹل سے ان کی بیوی گیتا نجلی جے انگمو نے شیئر کیا، وانگ چک نے ناانصافی سے آزادی کو مبینہ پیپر لیک اور خوف سے آزادی کو غیر قانونی حراست سے جوڑا۔ وانگ چک کے اکاؤنٹ سے ایکس پر شیئر نوٹ میں کہا گیا کہ 20 جولائی ہندوستان کی دوسری تحریک آزادی، ناانصافی سے آزادی (جیسے پیپر لیک) خوف سے آزادی (میری غیر قانونی حراست)، مارچ ٹو پارلیمنٹ۔ براہ مہربانی اسے شاندار کامیابی سے ہمکنار کریں۔ نوٹ کے آخر میں لکھا گیا صفدر جنگ میں میری غیر قانونی حراست کے دوران گیتا نجلی کے ذریعہ اسے بھیجا گیا ہے۔ غیر قانونی حراست کا حوالہ ایسا لگتا ہے کہ وانگ چک کے اس الزام کو دہرانے کیلئے دیا گیا کہ انہیں جنتر منتر سے زبردستی اٹھا کر ان کی مرضی کے بغیر صفدر جنگ ہاسپٹل میں رکھا گیا ہے۔ کا کروچ جنتا پارٹی نے 20 جولائی کو پارلیمنٹ چلو مارچ کا اعلان کیا ہے۔

آل پارٹی میٹنگ سے اپوزیشن کا واک آؤٹ

حکومت نے ٹی ایم سی کے باغی ارکان کو مدعو کرنے کی مدافعت کی

آوازِ تسنیم: پارلیمنٹ کے کل سے شروع ہونے والے مانسون اجلاس سے قبل طلب کردہ آل پارٹی میٹنگ سے اتوار کے دن ساری اپوزیشن نے علامتی واک آؤٹ کردیا۔ انہوں نے ٹی ایم سی کے باغی ارکانِ پارلیمنٹ کو مدعو کئے جانے کے خلاف بطور احتجاج یہ اقدام کیا۔ اپوزیشن نے اسپیکر لوک سبھا اوم برلا کے اِس فیصلہ کے خلاف بھی احتجاج کیا کہ باغی ٹی ایم سی ارکانِ پارلیمنٹ کیلئے ایوان میں بیٹھنے کا علیحدہ انتظام ہوگا۔ اِس کے علاوہ شیوسینا یو بی ٹی کے باغی ارکان کو ڈپٹی چیف منسٹر مہاراشٹرا ایکناتھ شنڈے کی شیوسینا میں ضم کردیا جائے گا۔ کانگریس قائد پرمود تیواری نے پارلیمنٹ ہاؤس کمپلیکس میں میڈیا سے بات چیت میں کہا کہ اپوزیشن نے اسپیکر کے فیصلہ کے خلاف آل پارٹی میٹنگ سے واک آؤٹ کا فیصلہ کیا ہے۔ سی پی ایم قائد جان بریٹاس نے کہا کہ آل پارٹی میٹنگ میں باغی ٹی ایم سی ارکانِ پارلیمنٹ کو مدعو کرنا انصاف کا گلا گھونٹنا ہے۔ اپوزیشن ارکان تھوڑی دیر بعد میٹنگ میں واپس آگئے۔ اپوزیشن کے احتجاج کے بعد حکومت نے اتوار کے دن ٹی ایم سی کے باغی ارکانِ پارلیمنٹ کو آل پارٹی میٹنگ میں مدعو کرنے کی مدافعت کی۔ یہ باغی ایک غیر معروف پارٹی این سی پی آئی میں شامل ہوئے ہیں۔ حکومت نے کہا کہ وہ انہیں نظر انداز نہیں کرسکتی کیونکہ انہوں نے اسپیکر لوک سبھا سے انہیں تسلیم کئے جانے اور انہیں علیحدہ نشستیں الاٹ کرنے کی درخواست کی ہے۔ وزیر پارلیمانی امور کرن رجیجو نے یہ بھی کہا کہ ملک کے عوام چاہتے ہیں کہ پارلیمنٹ کی کارروائی آسانی سے چلے۔ ایوان میں کوئی گڑبڑ نہ ہو۔ انہوں نے تمام جماعتوں سے خواہش کی کہ وہ بلوں کی مثبت تائید کریں۔ وہ مانسون اجلاس سے قبل طلب کردہ آل پارٹی میٹنگ کے بعد میڈیا سے بات چیت کررہے تھے۔ ٹی ایم سی کے 28 ارکانِ پارلیمنٹ میں 20 پارٹی قیادت کے خلاف بغاوت کرچکے ہیں۔ انہوں نے مغربی بنگال اسمبلی الیکشن میں ٹی ایم سی کی ہار کے بعد پارٹی چھوڑ کر نیشنلسٹ سٹیزنس پارٹی آف انڈیا میں شمولیت اختیار کرلی۔ آج آل پارٹی میٹنگ میں ٹی ایم سی کے باغی ارکان سدیپ بندھو پادھیائے اور کاکولی گھوش دستی دار نے شرکت کی، جس پر اپوزیشن جماعتوں نے احتجاج کیا اور علامتی واک آؤٹ کردیا۔ اپوزیشن بعدازاں میٹنگ میں واپس آگئی۔ کرن رجیجو نے کہا کہ حکومت مانسون اجلاس میں 8 بل لائے گی۔ سابق میں اپوزیشن کے احتجاج کی وجہ سے ایوان کی کارروائی میں خلل پڑا تھا اور ملک اور اس کے عوام کو نقصان پہنچا تھا۔ احتجاج کرنے سے کسی کا بھی سیاسی فائدہ ہونے والا نہیں۔ پارلیمنٹ جمہوریت میں سبھی جماعتوں کو بولنے کا حق ہے۔ کل جماعتی اجلاس کی صدارت وزیر دفاع راج ناتھ سنگھ نے کی۔ مرکزی وزیر صحت جے پی نڈا، کرن رجیجو اور مختلف اپوزیشن جماعتوں کے قائدین نے اس میں شرکت کی۔ کل سے شروع ہونے والا مانسون اجلاس 13 اگست تک جاری رہے گا۔

ہندوستان کا پہلا نجی مدار بردار راکٹ ''وکرم 1'' کامیابی سے لانچ

آوازِ تسنیم

ہندوستان کا پہلا نجی طور پر تیار کردہ مدار بردار (آربیٹل کلاس) راکٹ وکرم 1- ہفتہ کو 35 منٹ کی معمولی تاخیر کے بعد اپنے پہلے ہی مشن میں کامیابی کے ساتھ مطلوبہ مدار میں پہنچ گیا۔ اس کامیابی کو ہندوستان کے خلائی پروگرام میں ایک اہم سنگ میل اور ملک کے عالمی خلائی طاقت بننے کی جانب ایک فیصلہ کن قدم قرار دیا جارہا ہے۔ حیدرآباد کی نجی کمپنی اسکائی روٹ ایرواسپیس کی جانب سے تیار کردہ اس راکٹ کی پہلی آزمائشی پرواز جسے ''مشن آ گمن'' کا نام دیا گیا۔ دوپہر 12 بج کر 5 منٹ پر سری ہری کوٹا کے ستیش دھون خلائی مرکز کے پہلے لانچ پیڈ سے روانہ کی گئی۔ 36 گھنٹے پر مشتمل ہموار کاؤنٹ ڈاؤن مکمل ہونے کے بعد 22 میٹر بلند اور 40 ٹن وزنی راکٹ لانچ کے لیے تیار تھا لیکن خودکار لانچ سیکونس شروع ہونے کے بعد ایک تکنیکی خرابی سامنے آئی۔ خرابی دور کیے جانے کے بعد تمام نظاموں کی جانچ کے لیے 20 منٹ کی نئی الٹی گنتی کی گئی جس کے بعد راکٹ نے کامیابی کے ساتھ پرواز بھری۔ تقریباً 15 منٹ کے سفر تمام مراحل کی کامیاب علیحدگی (اسٹیج سیپریشن) اور انجنوں کے درست عمل کے بعد راکٹ 450 کلومیٹر کی بلندی پر 60 ڈگری کے زاویہ جھکاؤ کے ساتھ اپنے مقررہ مدار میں کامیابی سے پہنچ گیا۔ اس کامیابی کے بعد مشن کنٹرول سنٹر میں خوشی کی لہر دوڑ گئی اور اسرو کے چیئرمین ڈاکٹر وی۔ نارائنن نے سائنس دانوں کو مبارک باد دی۔ اسرو نے اعلان کیا کہ ''وکرم 1- مشن کامیابی کے ساتھ مکمل ہوگیا ہے''۔ اس مشن کے علامتی پے لوڈس میں وزیر اعظم نریندر مودی کا اپنے ہاتھ سے لکھا ہوا ایک پوسٹ کارڈ بھی شامل تھا جس پر وندے ماترم تحریر تھا۔ لانچ سے قبل وزیر اعظم مودی نے وکرم 1- مشن کو بھارت کے خلائی سفر میں ایک تاریخی سنگ میل قرار دیتے ہوئے کہا تھا کہ یہ ملک کے نوجوانوں کی صلاحیت' عزم اور کاروباری جذبہ کی عکاسی کرتا ہے جبکہ خلائی شعبہ میں اصلاحات اختراع اور نجی سرمایہ کاری کے لیے نئے مواقع پیدا کررہی ہیں۔ اسکائی روٹ ایرو اسپیس نے کہا کہ وکرم 1- ٹیسٹ فلائٹ 1- کے پے لوڈس میں سب سے منفرد چیز وزیر اعظم نریندر مودی کا ہاتھ سے لکھا ہوا وندے ماترم والا پوسٹ کارڈ ہے۔ یہ لانچ بھارت کے خلائی شعبہ میں ایک نئے دور کا آغاز ہے کیونکہ یہ ملک کا پہلا نجی طور پر تیار کردہ مدار بردار راکٹ ہے جس نے مدار تک پہنچنے کی کوشش کی اور کامیابی حاصل کی۔ اس سے بھارت کے تیزی سے ترقی کرتے خلائی پروگرام میں نجی شعبہ کی شمولیت کو مزید فروغ ملے گا۔ اسرو نے کہا کہ مشن آ گمن محض ایک لانچ نہیں بلکہ بھارت کے نجی خلائی ماحولیاتی نظام کے ایک نئے باب کا آغاز ہے۔ وکرم 1- بھارت کے عالمی خلائی طاقت بننے کے سفر میں اگلا فیصلہ کن قدم ہے۔ وکرم 1- اپنے ساتھ ملکی اور بین الاقوامی ٹکنالوجی ڈیمونسٹریٹر پے لوڈس بھی لے گیا جن میں 18 قیراط سونے سے بنا ایک ننھا راکٹ شامل تھا جس میں نوبل انعام یافتہ سائنس دان سر سی وی رامن' بھارت کے خلائی پروگرام کے معمار ڈاکٹر وکرم سارابھائی اور سابق صدر و ممتاز خلائی و میزائل سائنس دان ڈاکٹر اے پی جے عبدالکلام کے چاول کے دانے سے بھی چھوٹے مائیکرو مجسمے نصب تھے۔ یہ مائیکرو آرٹ پے لوڈ تلنگانہ کے فنکار اجئے کمار میٹواڑا نے تیار کیا جس میں تقریباً 700 مائیکرون × 980 مائیکرون جسامت کے مجسمے بنائے گئے ہیں۔ راکٹ کا نام بھی ڈاکٹر وکرم سارابھائی کے اعزاز میں رکھا گیا ہے۔ پے لوڈس میں کرناٹک کی کمپنی کاسموس ڈائمنڈز کی تیار کردہ 16.95 قیراط ہیرے سے مزین ''کاسمک بلوم'' نامی کمل کے پھول کی شکل کا زیور بھی شامل تھا۔ 7 منزلہ عمارت کے برابر بلند وکرم 1- ایک کثیر مرحلہ (ملٹی اسٹیج) راکٹ ہے جس میں مکمل کاربن کمپوزٹ ڈھانچہ' مضبوط سالڈ فیول بوسٹرس اور جدید تھری ڈی پرنٹیڈ مائع ایندھن والے انجن استعمال کیے گئے ہیں۔ یہ راکٹ 350 کلوگرام تک وزنی چھوٹے سیٹلائٹس کو 450 کلومیٹر بلند لو ارتھ آربٹ (ایل ای او) اور 260 کلوگرام تک کے سیٹلائٹس کو سن سنکرونس مدار میں بھیجنے کی صلاحیت رکھتا ہے۔ یہ اسکائی روٹ ایرو اسپیس کا دوسرا خلائی مشن ہے۔ اس سے قبل 18 نومبر 2022 کو کمپنی نے بھارت کے پہلے نجی راکٹ وکرم-ایس کو کامیابی سے خلا میں بھیجا تھا۔ ''پرارمبھ'' نامی اس مشن میں راکٹ نے 155 سیکنڈ میں تقریباً 89.5 کلومیٹر کی بلندی حاصل کی تھی اور 3 پے لوڈس کو لے کر بنگال کی خلیج میں طے شدہ مقام پر بحفاظت گرا تھا۔ اس کامیاب تجربہ سے وکرم سیریز کے مدار بردار راکٹوں کے لیے سالڈ پروپلشن' کاربن کمپوزٹ ڈھانچے' ایویانکس اور ٹیلی میٹری سمیت اہم ٹکنالوجیز کی توثیق ہوئی جس کی بنیاد پر وکرم 1- تیار کیا گیا۔ اسکائی روٹ کے مطابق مشن آ گمن کا بنیادی مقصد وکرم 1- کے تمام اہم نظاموں بشمول پروپلشن' اسٹیج سیپریشن' رہنمائی' نیویگیشن' کنٹرول اور مجموعی کارکردگی سے متعلق پروازی اعداد و شمار جمع کرنا ہے تاکہ راکٹ کے ڈیزائن کی توثیق کی جاسکے اور مستقبل میں باقاعدہ تجارتی خلائی لانچ پروگرام کی راہ ہموار ہوسکے۔

☆☆☆

غزہ پر اسرائیلی حملوں میں تین بچوں سمیت 11 فلسطینی شہید

غزہ میں اسرائیلی حملوں کے نتیجے میں تین بچوں سمیت کم از کم 11 فلسطینی شہید جبکہ متعدد افراد زخمی ہوگئے۔ غزہ کی سول ڈیفنس ایجنسی کے مطابق شمال مغربی غزہ شہر میں ایک رہائشی اپارٹمنٹ پر اسرائیلی فضائی حملے کے نتیجہ میں ایک ہی خاندان کے 5 افراد، جن میں تین بچے اور ان کے والدین شامل ہیں، شہید ہوگئے۔ ایجنسی کے ترجمان محمود بسال نے بتایا کہ اس خاندان کا صرف ایک بچہ زندہ بچا، جو حملے کے وقت گھر میں موجود نہیں تھا۔ الشفاء اور الاہلی بپٹسٹ ہسپتالوں کے طبی ذرائع کے مطابق غزہ شہر کے جنوب مشرق میں واقع زیتون محلے میں اسرائیلی توپ خانے کی گولہ باری کے بعد تین فلسطینیوں کی لاشیں اور دو زخمی ہسپتال منتقل کیے گئے۔ الشفاء ہسپتال کے ایک طبی ذریعہ نے انادولو ایجنسی کو بتایا کہ غزہ شہر کے نصر محلّہ میں ایک اپارٹمنٹ پر اسرائیلی جنگی طیارے کے فضائی حملے میں ایک خاتون اور ایک بچے سمیت مزید پانچ فلسطینی شہید جبکہ متعدد افراد زخمی ہوئے۔

رائچور میں بارانِ رحمت کیلئے نماز استسقاء کا اہتمام

رائچور میں ناکافی بارش اور خشک سالی سے پیدا شدہ سنگین مسائل بالخصوص کھیتوں کو درکار پانی کی کمی کے پیش نظر شہر کے جدید عیدگاہ میدان میں بارانِ رحمت کے لئے نمازِ استسقاء کا اہتمام کیا گیا۔ مولانا سید شاہ احمد پیر حسینی کامل جامعہ نظامیہ خطیب شاہی جامع مسجد صرافہ بازار اور ضلعی صدر مرکز اہل سنت الجماعت نے امامت کی۔ کثیر تعداد میں مسلمانوں نے نماز ادا کی' جن میں بزرگ اور چھوٹے بچے بھی شامل تھے۔ مولانا نے بارگاہِ الٰہی میں نفع بخش بارش کے لئے رخت آمیز دعا کی۔

بالی ووڈ کے وہ مسلم کردار جو بہت خوبصورتی سے نبھائے گئے

مسلم اداکار بالی ووڈ کا ہمشیہ سے ہم حصہ رہے ہیں، ان اداکاروں کی موجودگی سے ہم لطف اندوز ہوتے رہے ہیں، ان میں بالی ووڈ کے شہنشاہ دلیپ کمار، نصیرالدین شاہ وحیدہ رحمان، شاہ رخ خان، سلمان خان اور عامر خان شامل ہیں۔ تفصیلات کے مطابق بالی ووڈ کی بات ہو اور ایسا ہو ہی نہیں سکتا کہ مسلم اداکاروں کے نام ذہنوں میں نہ آئے، بالی ووڈ کے تین خان جن کے بارے میں یہ کہا جائے کہ وہ بالی ووڈ پر حکمرانی کررہے ہیں تو غلط نہ ہوگا۔ بالی ووڈ میں محبت کی بات کی جائے اور امتیاز علی کا نام نہ آئے ایسا ممکن نہیں۔ انہوں نے بالی ووڈ کو پیار کرنے کے منفرد انداز سے آشنا کروایا۔ یہاں ہم قارئین منصف کیلئے ایسے یادگار کردار پیش کررہے ہیں جنہیں مداحوں نے بالی ووڈ کی فلموں میں دیکھا اور ان کرداروں نے فلموں کی کامیابی میں اہم کردار ادا کیا۔

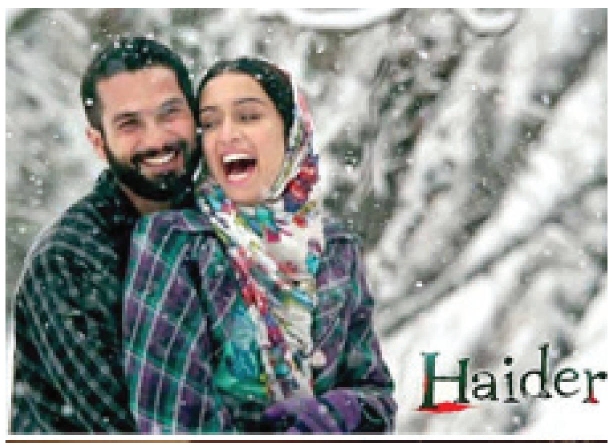

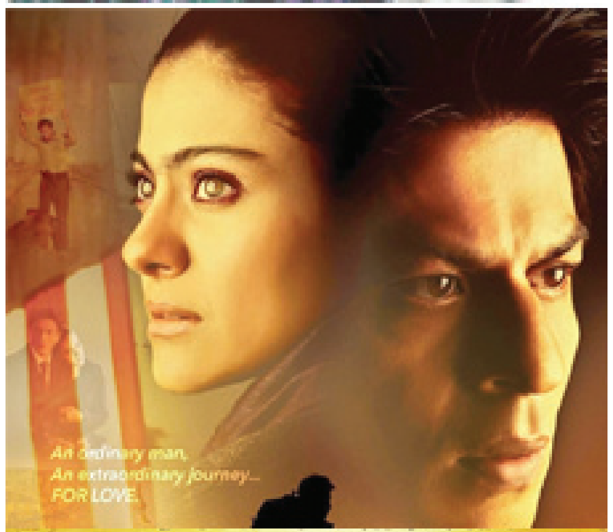

اقبال۔ قلی فلم (1983)

قلی فلم میں امیتابھ بچن نے اقبال کا کردار نبھایا جو ایک ایماندار مسلمان ہوتا ہے اور دوسرے مذہب کے لوگوں کے ساتھ انتہائی محبت سے رہتا ہے، فلم میں اقبال کی ایک عیسائی گرل فرینڈ ہے، فلم میں مذہبی عدم برداشت کا بہت خوبصورت پیغام دیا گیا تھا۔ اس فلم کو امیتابھ بچن کے کیریر کی بہترین فلموں میں سے ایک سمجھا جاتا ہے۔

سلیم۔ سرفروش (1999)

فلم کے یادگار ڈائیلاگ جو مداحوں کو آج بھی یاد ہے ''پھر کسی سلیم سے مت کہنا یہ ملک اُس کا نہیں''، فلم میں مکیش رشی نے انسپکٹر سلیم کا کردار ادا کیا تھا، جو ایک ایماندار مسلمان ہونے کے ساتھ ساتھ ایک سچا محبّ وطن بھی ہوتا ہے۔

فضا۔ فضا (2000)

فضا کا کردار اداکارہ کرشما کپور کی جانب سے نبھایا گیا تھا، جس میں انہوں نے ایک محبّ وطن لڑکی کے ساتھ ایک بہن کا بھی کردار نبھایا تھا، اداکارہ نے اپنے کردار بہت خوبصورتی سے نبھایا تھا۔ کرشمہ کپور کے اس کردار کو بہت پسند کیا گیا اور ان کی اداکاری کی بھی تعریف کی گئی۔

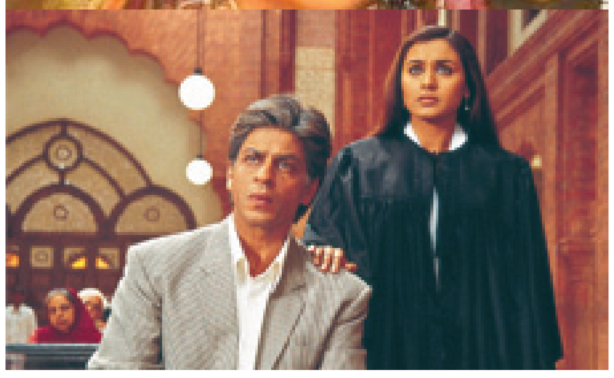

صفیہ پرویز۔ مشن کشمیر (2000)

پریٹی زنٹا نے فلم میں مسلم لڑکی کا کردار کیا جو الطاف سے محبت کرتی ہے۔ الطاف جو ایسے ماحول میں بڑا ہوتا ہے جس میں اسے تکلیف رنج غم کا سامنا کرنا پڑتا ہے، فلم میں صفیہ الطاف کو دہشت گردوں کی مدد کرنے سے روکتی ہے۔ پریتی نے پہلی مرتبہ مسلم لڑکا کا کردار ادا کیا تھا جسے ان کے مداحوں نے خوب سراہا۔

زبیدہ (2000)

کرشما کپور نے فلم میں زبیدہ کا کردار نبھایا جو فتح پور کے مہاراجہ سے محبت کرتی ہے، فلم کی کہانی زبیدہ بیگم کی زندگی پر بنائی گئی تھی جو جود پور کے ہنوت سنگھ سے شادی کرتی ہے۔

ثامیہ صدیقی۔ ویر زارا (2003)

رانی مکھرجی نے فلم ویر زارا میں مسلمان وکیل ثامیہ کا کردار نبھایا جو ایک ہندوستانی پائلٹ کو جیل سے رہا کرواتی ہے جسے جھوٹے جاسوسی کے الزام میں گرفتار کرلیا جاتا ہے۔ ثامیا کی وجہ سے ویر اپنی محبت زارا سے 22 سال بعد مل پاتا ہے۔ یہ کردار رانی مکھرجی کے کیریر کے کامیاب اور یادگار کرداروں میں سے ایک بن گیا جسے آج بھی ان کے مداح دیکھنا پسند کرتے ہیں۔

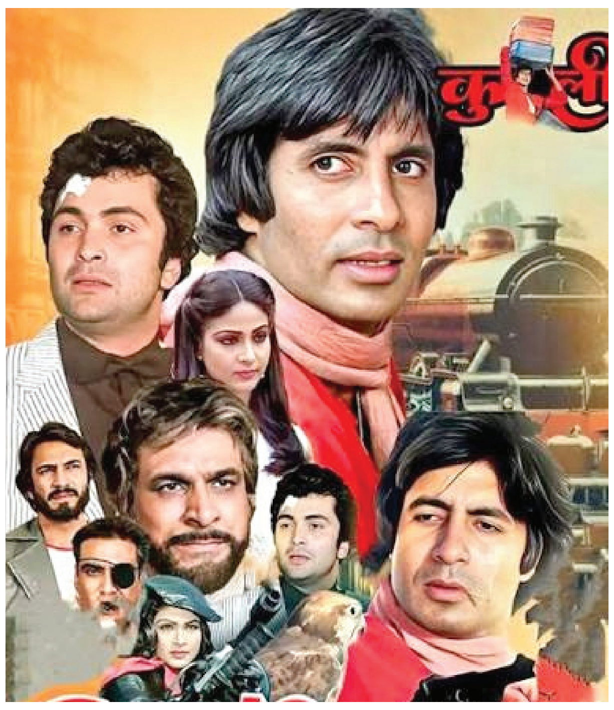

کبیر خان۔ چک دے انڈیا (2007)

فلم میں دکھایا گیا ہے کہ ہندوستان اور پاکستان بننے کے بعد بھی ایک محبّ وطن کھلاڑی کو غدار کہا جاتا ہے، فلم میں کبیر خان انڈیا کی وویمن ہاکی کی ٹیم کی کوچنگ کرتا ہے اور ایک کمزور ٹیم کو چمپئن بناتا ہے۔

فرحان قریشی۔ تھری ایڈیٹ (2009)

فلم میں مادھون نے فرحان کا کردار نبھایا ہے جو نہ چاہتے ہوئے گھر اور معاشرے کے دباؤ کی وجہ سے انجیئرنگ پڑھتا ہے جو اسے بلکل سمجھ نہیں آتی۔ وہ فوٹوگرافی کرنا چاہتا ہے، فلم کے ذریعے پیغام دیا گیا ہے کہ کسی پر زبردستی نہ کی جائے جو نوجوان کرنا چاہتے ہیں ان کو کرنے دیا جائے۔ یہ فلم مادھون کے کیریر کی کامیاب فلم ثابت ہوئی۔

رضوان خان۔ مائی نیم از خان (2010)

شاہ رخ خان نے فلم میں رضوان خان کا کردار نبھایا جو مسلمانوں کی ترجمانی کرتا ہے اور بتاتا ہے کہ مسلمان دہشت گرد نہیں ہیں۔ فلم میں نائن الیون کے بعد کی صورت حال کو دکھایا گیا ہے جب پوری دنیا میں مسلمانوں کو دہشت گرد کی نظر سے دیکھا جاتا ہے۔

عریشہ۔ حیدر (2014)

فلم میں شردھا کپور نے مسلمان کشمیری کا کرداد نبھایا تھا جو حیدر سے محبت کرتی ہے، فلم میں کشمیر کی صورتحال کو دکھایا گیا تھا۔ اس فلم کے ذریعہ کشمیریوں کی وطن سے محبت کو بڑے ہی اچھے انداز میں دکھایا گیا ہے۔

☆☆☆

अमेरिका ने IRGC पर बरसाई आग, ईरान ने मिनटों में खोल दिया जंग का नया मोर्चा

आवाज़ ए तसनीम

ईरान और अमेरिका के बीच टकराव जारी है. इसी बीच अमेरिकी सेना ने ढ्ढक्रत्नष्ट को निशाना बनाते हुए ईरान पर नए हवाई हमले किए हैं. हमले के फौरन बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की. अमेरिका का दावा है कि ईरान पर हमले से वह ढ्ढक्रत्नष्ट को कमज़ोर कर रहा है और तेहरान को होर्मुज़ (Strait of Hormuz) से पीछे हटने के लिए मजबूर कर रहा है. इससे पहले, ईरान ने मुस्लिम देश जॉर्डन पर जबरदस्त मिसाइल हमला किया था, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई थी.ईरान पर हमले के बाद यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि हमले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर किए गए थे और इसका उद्देश्य अमेरिकी कर्मियों पर हमलों के लिए जिम्मेदार आईआरजीसी बलों को तेजी से दंडित करना था. सेंटकॉम ने कहा, ÷आज शाम 6 बजे ईटी, अमेरिकी सेना ने कमांडर इन चीफ के निर्देश पर ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले शुरू किए. ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक शिपिंग को धमकी देने की ईरान की क्षमता को और कम करने और कल रात जॉर्डन में अमेरिकी सेवा सदस्यों के खिलाफ हमले शुरू करने वाले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स बलों को तेजी से दंडित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं.

अमेरिकी फौज ने किया बड़ा ऐलान

यह घोषणा द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद आई है कि जॉर्डन में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाव के लिए ऑपरेशन के दौरान दो अमेरिकी सेवा सदस्य मारे गए और एक अन्य लापता हो गया. CENTCOM के मुताबिक, सेवा सदस्य 17 जुलाई को ईरानी हमलों के खिलाफ समन्वित रक्षा के दौरान अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए मारे गए थे. बयान में कहा गया, ÷17 जुलाई को, ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोनों का उपयोग करके शुरू किए गए हमलों के खिलाफ यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) और सहयोगी बलों की रक्षा के दौरान जॉर्डन में दो अमेरिकी सेवा सदस्य अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए मारे गए थे. इसके अलावा, एक सेवा सदस्य लापता लोगों में से एक है.÷

CENTCOM ने जॉर्डन हमले को लेकर क्या कहा?

CENTCOM ने आगे कहा कि हमलों के दौरान घायल हुए चार अमेरिकी सेवा सदस्यों को चिकित्सकीय रूप से जॉर्डन के अस्पतालों में ले जाया गया. चारों को छुट्टी दे दी गई है, जबकि मामूली चोटों का इलाज कराने वाले अन्य कर्मी ड्यूटी पर लौट आए हैं. शुक्रवार को ईरानी सेना ने कहा कि उसने ऑपरेशन लाइटनिंग के 14वें चरण के हिस्से के रूप में जॉर्डन के अल-अज़राक एयर बेस पर ईंधन भंडारण सुविधाओं को निशाना बनाया था।

ह्वन्र में आए तो क्या गिरफ्तार होंगे नेतन्याहू? न्यूयॉर्क मेयर ज़ोहरान मामदानी के बयान से मचा बवाल

आवाज़ ए तसनीम

न्यूयॉर्क शहर के मेयर ज़ोहरान मामदानी इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर लगातार कड़ा रुख अपनाते रहे हैं. इसी बीच मामदानी ने नेतन्याहू की गिरफ़्तारी को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस बात की समीक्षा कर रहा है कि क्या उनके पास इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ़्तार करने का कानूनी अधिकार है, अगर वे सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (ह्वन्र) के लिए शहर का दौरा करते हैं.18 जुलाई को द न्यूयॉर्क टाइम्स के पॉडकास्ट द इंटरव्यू में होस्ट लुलु गार्सिया-नवारो से बात करते हुए, मामदानी ने कहा कि उनका प्रशासन शहर के कानून विभाग के साथ सक्रिय बातचीत÷ कर रहा है ताकि यह तय किया जा सके कि क्या न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (हड्ढक्कष्ठ) इजरायली नेता को हिरासत में ले सकता है. ज़ोहरान मामदानी ने कहा, मेरा मानना ??है कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू को हेग में होना चाहिए. उन्होंने नेतन्याहू को युद्ध अपराध बताया, जिन पर इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (ढ्ढष्टष्ट) ने आरोप लगाए हैं. हालांकि, उन्होंने माना कि यह अभी साफ नहीं है कि न्यूयॉर्क शहर के पास किसी विदेशी नेता को गिरफ़्तार करने का कानूनी अधिकार है या नहीं.

नेतन्याहू को लेकर दिया बड़ा बयान

उन्होंने कहा, न्यूयॉर्क शहर में कानून मुझे जो भी करने की इजाज़त देता है, हम वही करेंगे, लेकिन हम इसके लिए अपने खुद के कानून नहीं बनाएंगे.÷ उम्मीद है कि नेतन्याहू सितंबर में ह महासभा (ह्वन्र) में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क आएंगे. ज़ोहरान मामदानी ने सबसे पहले अपने 2025 के मेयर पद के अभियान के दौरान वादा किया था कि अगर इजरायली प्रधानमंत्री शहर का दौरा करते हैं, तो वे उनकी गिरफ़्तारी की मांग करेंगे. उन्होंने इसके लिए ढ्ढष्टष्ट के वारंट का हवाला दिया था.

इज़रायली नेताओं ने टिप्पणियों को खारिज किया

नेतन्याहू ने हाल ही में रेडियो होस्ट सिड रोसेनबर्ग के प्रोग्राम सिड एंड फ्रेंड्स इन द मॉर्निंग में ज़ोहरान मामदानी की टिप्पणियों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें गिरफ़्तारी की संभावना से कोई चिंता नहीं है. उन्होंने न्यूयॉर्क के मेयर पर हमास का समर्थन करने का आरोप भी लगाया।

पाक फौज पर BLA घात लगाकर हमला, 45 जवानों के मारे जाने का दावा

हथियाबंद विद्रोही तंजीम बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने बलूचिस्तान के मस्तुंग ज़िले में जुमेरात (16 जुलाई) को पाकिस्तानी फौज के एक काफिले पर एंबुश लगाकर हमला किया. BLA ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए 45 पाकिस्तान फौज के जवानों के मारे जाने और दर्जनों दीगर के घायल होने का दावा किया. वहीं, मस्तुंग में हुए हमले को पाकिस्तानी ने माना है, लेकिन इस हमले में कितने लोगों की मौत हुई, इससे जुड़ी जानकारी नहीं दी है और न ही BLA के जरिए हताहतों को लेकर किए दावे की तस्दीक की है.मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक BLA ने यह हमला बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले के क्वेटा-कराची हाईवे पर खदकुचा के पास हुआ. हथियारबंद विद्रोही तंजीम क्क्र के तर्जुमान जियांद बलूच ने कहा कि उनके तंजीम के %फतेह स्क्वाड% ने इस घटना को अंजाम दिया. उन्होंने दावा किया कि फतेह स्क्वाड ने पहले पाक फौज के काफिले पर हमला किया, उसके बाद संबंधित फौजी काफिले की सिक्योरिटी में लगी टीम और बाद में मौके पर पहुंची पाक फौज की एक्स्ट्रा टुकड़ियों को निशाना बनाया. उन्होंने दावा किया कि क्क्र के जरिए सुनियोजित और जबरदस्त हमला किया गया. उन्होंने कहा कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि लड़ाई अभी भी चल रही है.

PAK फौज के हमले में मारे गए आम लोग, BLA ने लगाया इल्जाम

BLA के तर्जुमान जियांद बलूच ने कहा कि वह इस हमले का विस्तृत ब्यौरा जारी करेगा. इसमें पाकिस्तानी बलों को हुए जान-माल के नुकसान का उनका आकलन भी शामिल होगा. इसके साथ ही क्क्र ने पाक फौज पर इल्जाम लगाया कि मस्तुंग के इस हमले के बाद पाकिस्तान ने भी हमले किए, जिसमें आम नागरिक भी मारे गए या घायल हुए. हालांकि इन दावों की स्वतंत्र रूप से तस्दीक नहीं हो सकी.

1 जुलाई से 14 जुलाई के बीच क्क्र ने क्क्य फौज पर किए 48 हमले

गौरतलब है कि क्क्र ने 1 जुलाई से 14 जुलाई के बीच बलूचिस्तान में 48 हमले करने की ज़िम्मेदारी ली और कहा कि ये हमले पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के ख़िलाफ़ एक सुनियोजित अभियान का हिस्सा थे. अलग-अलग बयानों में, प्रवक्ता जियांद बलूच ने आरोप लगाया कि इन ऑपरेशनों में मस्तुंग, नुश्की, केच, सुराब, खुज़दार, ज़ियारत, खारन और कलात ज़िलों में सेना के काफ़िलों, चेकपोस्ट, पुलों और सप्लाई रूट को निशाना बनाया गया.

हज के बाद उमरा जायरीनों की संख्या में रिकॉर्ड इजाफा, लगभग 13 लाख मुसलमान पहुंचे मक्का

आवाज़ ए तसनीम

इस्लाम में हज के बाद उमरा को बेहद अहम इबादत माना जाता है. हदीसों में उमरा की बड़ी फजीलत बयान की गई है और इसे अल्लाह की कुर्बत हासिल करने का अहम जरिया माना जाता है. यही वजह है कि हर साल दुनिया भर से लाखों मुसलमान उमरा की सआदत हासिल करने के लिए सऊदी अरब का रुख करते हैं. इस बार भी इस्लामिक कैलेंडर का नया माह शुरू होते ही बड़ी संख्या में अकीदतमंद उरमा करने के लिए पहुंच रहे हैं. रिकॉर्ड बढ़ी उमरा जायरीन की तादादरिपोर्ट्स के मुताबिक, शुरुआती हफ्तों में ही उमरा के लिए आने वाले जायरीन की तादाद में काफी इजाफा दर्ज किया गया है. सऊदी अरब के हज एंड उमरा मिनिस्ट्री की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, 1448 हिजरी के उमरा सीजन की शुरुआत में उमरा वीजा पर आने वालों की तादाद में 22.5 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है. जिलहिज्जा की 15 तारीख से लेकर मुहर्रम के आखिर तक कुल 9 लाख 31 हजार 500 अकीदतमंद उमरा के लिए सऊदी अरब पहुंचे. इसी दौरान विदेशों से आने वाले कुल मुसाफिरों की तादाद 12 लाख 70 हजार से ज्यादा रही. सऊदी हुकूमत की हज एंड उमरा मिनिस्ट्री का कहना है कि यह इजाफा सरकार की लगातार हिमायत, अलग-अलग महकमों के बेहतर तालमेल और सऊदी विजन 2030 के तहत डिजिटल इंतजामी सहूलियतों में किए गए सुधार का नतीजा है.

75 फीसदी लोग हवाई सफर कर पहुंचे पाक शहर मक्का

अब बात करते हैं कि उमरा की सआदत हासिल करने के लिए जायरीन कैसे पहुंचे मुकद्दस शहर मक्का. बताया जा रहा है कि कुल विदेशी जायरीन में से 75 फीसदी हवाई रास्ते से सऊदी अरब पहुंचे, जबकि बाकी 25 फीसदी लोग जमीनी और समंदरी रास्तों के जरिये मुल्क में दाखिल हुए, और उमरा की रस्म अदा की. मुल्कों के हिसाब से सबसे ज्यादा उमरा जायरीन पाकिस्तान से पहुंचे. वहां से तकरीबन 2 लाख लोग उमरा के लिए सऊदी अरब आए. इसके बाद इंडोनेशिया दूसरे नंबर पर रहा, जहां से करीब 1 लाख 70 हज़ार ज़ायरीन पहुंचे. इराक तीसरे स्थान पर रहा, जहां से लगभग 1 लाख 30 हजार लोगों ने उमरा के लिए सऊदी अरब का सफर किया.मिनिस्ट्री ने कहा है कि आने वाले दिनों में भी डिजिटल सहूलियतों को और बेहतर बनाया जाएगा ताकि जायरीन को अपने सफर के शुरुआत से लेकर सऊदी अरब से वापसी तक हर मरहले पर आसानी और बेहतरीन इंतजाम मिल सके.

उमरा सीजन के बारे में मिनिस्ट्री ने बताया कि 1448 हिजरी के लिए उमरा वीजा जारी करने का सिलसिला 31 मई से शुरू हुआ था. यह फैसला 1447 हिजरी के हज के मुकम्मल होने के बाद लिया गया और उसी दिन से विदेशों से उमरा जायरीन का सऊदी अरब पहुंचना भी शुरू हो गया.

कब से कब तक रहेगा उमरा सीजन?

मौजूदा उमरा सीजन 23 मार्च 2027 तक जारी रहेगा. उमरा वीजा जारी करने की आखिरी तारीख 9 मार्च 2027 यानी 1 शव्वाल 1448 हिजरी तय की गई है. उमरा करने वाले जायरीन को 23 मार्च 2027 तक हर हाल में सऊदी अरब में दाखिल होना होगा, जबकि सभी जायरीन के लिए 7 अप्रैल 2027 तक मुल्क से रवाना होना जरूरी होगा.उमरा की इजाजत हासिल करने के लिए जायरीन सऊदी हुकूमत के ÷नुसुक÷ नाम के सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसी प्लेटफॉर्म के जरिये उमरा की परमिशन, बुकिंग और दूसरी जरूरी खिदमात एक ही जगह मुहैया कराई जाती है.

सऊदी का नया पैकेज वीजा लॉन्च, भारतीयों के लिए आसान हुई यात्रा, जानें नियम और फीस

आवाज़ ए तसनीम

सऊदी अरब घूमने का सपना देखने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है. अब कुछ चुनिंदा देशों के मुसाफिरों को सऊदी जाने के लिए वीजा हासिल करने की लंबी और अलग प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा. सऊदी अरब के मिनिस्ट्री टूरिज्म ने एक नया निजाम शुरू किया है, जिसके तहत हवाई सफर, ठहरने की जगह और वीजा की पूरी कार्रवाई एक ही पैकेज में पूरी हो जाएगी. इस नई पहल से विदेश से आने वाले सैलानियों का सफर पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान और बेहतर होने की उम्मीद है.सऊदी अरब के मिनिस्ट्री टूरिज्म ने ÷पैकेज वीजा÷ नाम से एक नया पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है. इस प्रोजेक्ट का मकसद दूसरे देशों से आने वाले सैलानियों के लिए सफर को आसान बनाना है. अब मुसाफिर किसी ऑथराइज्ड ट्रैवल एजेंसी के जरिए टूर पैकेज खरीदकर उसी के साथ सऊदी का सैलानी वीजा यानी टूरिस्ट भी हासिल कर सकेंगे. यानी अलग से वीजा के लिए अप्लाई करने, एम्बेसी के चक्कर लगाने या अलग-अलग कागजात जमा करने की जरूरत नहीं होगी.इस नया निजाम के जरिये फ्लाइट टिकट, रजिस्टर्ड होटल में स्टे करने के लिए बुकिंग और ई-वीजा जारी करने की पूरी प्रक्रिया को एक साथ जोड़ दिया गया. इससे मुसाफिरों को अलग-अलग फेज पूरे नहीं करने पड़ेंगे और पूरी प्रक्रिया एक ही जगह पूरी हो जाएगी.

क्या है 'पैकेज वीजा' और इसके फायदे?

सऊदी अरब के मिनिस्ट्री टूरिज्म के मुताबिक, पैकेज वीजा एक पायलट प्रोजेक्ट है. इस के तहत अहल ममालिक के शहरी किसी ऑथराइज्ड ट्रैवल और टूरिज्म एजेंसी से पैकेज खरीद सकेंगे, और इसी के साथ उन्हें सऊदी अरब का टूरिस्ट वीजा भी जारी कर दिया जाएगा. इस इकदाम का मकसद मुकम्मल सफरी अमल को आसान, तेज और बेहतर बनाना है.आम तौर पर लोगों को वीजा के लिए अलग से दरख्वास्त देनी पड़ती है. कई मामलात में एम्बेसी से राब्ता करना और एक अलग अमल मुकम्मल करना होता है, लेकिन इस नई सहूलत में जैसे ही टूरिस्ट पैकेज की खरीदारी मुकम्मल होगी, इसी के साथ इलेक्ट्रॉनिक वीजा भी फौरी तौर पर जारी कर दिया जाएगा. इसके लिए अलग दरख्वास्त देने या एंबेसी जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

किन देशों के शहरियों को मिलेगी ये सहूलत?

फिलहाल सऊदी हुकूमत की ये नई सहूलत सिर्फ सात देशों के शहरीयों के लिए शुरू की गई है. सऊदी टूरिज्म मिनिस्ट्री के मुताबिक, आने वाले वक्त में इस मंसूबे का दायरा वसीअ किया जाएगा और मजीद देशों के शहरियों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है.इस वक्त जिन सात देश के शहरी इस सहूलत से फायदा उठा सकेंगे, उनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, जॉर्डन, मिस्र और मैक्सिको शामिल है. हालांकि, इन देशों के शहरियों को भी इस सहूलत से फायदा उठाने के लिए एक मखसूस तरीका-ए-कार मुकम्मल करना होगा. उन्हें सऊदी टूरिज्म मिनिस्ट्री के जरिये ऑथोराइज्ड ट्रैवल और टूरिज्म खिदमत फराहम करने वाले इदारे जरिये मुकम्मल पैकेज खरीदना होगा. इसके बाद ही उन्हें पैकेज के साथ इलेक्ट्रॉनिक वीजा जारी करने की सहूलत हासिल हो सकेगी.

वीजा की फीस कितनी होगी?

इस स्कीम के तहत वीजा की कुल फीस 402.21 सऊदी रियाल (10,346 रुपये) मुकर्रर की गई है. इसमें वीजा जारी करने की फीस और सेहत के बीमे (हेल्थ इंश्योरेंस) का प्रीमियम दोनों शामिल हैं. अगर किसी वजह से वीजा की दरख्वास्त कैंसल हो जाए, तो ऑथराइज्ड ट्रैवल एजेंसी, टूर पैकेज में शामिल उन सर्विस की रकम वापस करेगी, जिनका रिफंड मिल सकता है. हालांकि, वीजा जारी करने की फीस और हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम की रकम वापस नहीं होगी.

मुकम्मल तरीक़ा-ए-कार क्या होगा?

सऊदी टूरिज्म मिनिस्ट्री ने इस निजाम को चार आसान हिस्सों में बांटा है. सबसे पहले मुसाफिर किसी ऑथराइज्ड ट्रैवल एजेंसी से अपनी पसंद का टूर पैकेज मुन्तखिब करेगा. इसके बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए महफूज तरीके से अदायगी की जाएगी.पैसों की अदायगी मुकम्मल होने और जरूरी मालूमात की तस्दीक के बाद वीजा और ट्रैवल बीमा जारी कर दिया जाएगा. आखिर में वीजा समेत तमाम जरूरी दस्तावेजों को मुसाफिर के ईमेल पते पर भेज दिए जाएंगे. इससे मुसाफिरों को लंबी लाइन, भागदौड़ से निजात मिलेगी.किन इदारों के जरिए बुकिंग होगी और कितने समय तक रहेगा मान्य?फिलहाल इस स्कीम के तहत सिर्फ दो मंजूरशुदा ट्रैवल एजेंसियों के जरिए ही टूर पैकेज बुक किया जा सकता है. इनमें रिजर्वेल और अलमुसाफिर शामिल हैं. टूर पैकेज की बुकिंग पूरी होने और जरूरी जानकारी की जांच के बाद ई-वीजा जारी कर दिया जाएगा. यह पूरी प्रक्रिया ज्यादा से ज्यादा 48 घंटे में पूरी हो जाएगी. यह वीजा सफर की तय तारीख से तीन महीने तक मान्य रहेगा. यह सिंगल एंट्री वीजा होगा, यानी इस वीजा पर सऊदी अरब में सिर्फ एक बार ही दाखिल हुआ जा सकेगा.

टूर पैकेज में क्या-क्या होना जरूरी है?

इस स्कीम के तहत खरीदे जाने वाले पैकेज में कम-से-कम चार सितारा मंजूरशुदा होटल की बुकिंग होना जरूरी है. इसके साथ आने और लौटने, दोनों हवाई टिकट कन्फर्म होने चाहिए. वीजा की दरख्वास्त भी इसी पैकेज का हिस्सा होगी. पहले दो दिनों के लिए हर बालिग का पैकेज कम-से-कम 4,000 सऊदी रियाल का होना चाहिए. इसके बाद हर अतिरिक्त दिन के लिए 1,000 सऊदी रियाल और जोड़े जाएंगे.

बुकिंग कितने दिन पहले करनी होगी?

टूर पैकेज कम-से-कम दो दिन और ज्यादा से ज्यादा 88 दिन का हो सकता है. होटल में ठहरने की मुद्दत आने और लौटने की फ्लाइट के हिसाब से होनी चाहिए. यानी पूरे सफर के दौरान होटल की बुकिंग पैकेज में शामिल होना जरूरी है. टूर पैकेज खरीदने और सफर शुरू होने के बीच कम से कम 48 घंटे का फासला होना चाहिए.

क्या इस वीज़ा पर उमरा किया जा सकता है?

सऊदी टूरिज्म मिनिस्ट्री के मुताबिक, इस टूर पैकेज में मक्का और मदीना में किसी भी तरह की मजहबी खिदमात शामिल नहीं होगी. हालांकि, इस स्कीम के तहत मिलने वाला टूरिस्ट वीजा सऊदी अरब में दाखिले की इजाजत देता है.

हरम शरीफ में दिखा हजारों साल पुराने कुरान का नायाब नमून, देख जज्बाती हुए जायरीन

आवाज़ ए तसनीम

अल्लाह का कलाम सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि करोड़ों मुसलमानों की ज़िंदगी का सबसे बड़ा रहनुमा है. कुरआन-ए-पाक की हर आयत ईमान, इल्म और हिदायत का पैगाम देती है. यही वजह है कि इस मुकद्दस किताब की हिफाजत, खूबसूरत कैलिग्राफी और नफीस अंदाज में नुस्खे तैयार करने की रिवायत सदियों से इस्लामी तहजीब का अहम हिस्सा रही है.

इसी अजीम विरासत की एक बेमिसाल झलक इन दिनों हरम शरीफ में लगाई गई ÷इकरा÷ नुमाइश में देखने को मिल रही है, जहां एक हजार साल से भी ज्यादा पुराना नायाब कुरआन शरीफ जायरीन की खास तवज्जो का मरकज बना हुआ है. हजारों साल पहले लिखे गए कुरान की आयतों को बहुत ही करीने से लिखा गया, जिसे देखते ही जायरीन और नाजरीन खुशी से झूम उठते हैं. हरम शरीफ और मस्जिद-ए-नबवी के दीनी मामलों की रियासत की जानिब से वक्फ-ए-मलिक अब्दुल अजीज में आयोजित ÷इकरा÷ नुमाइश में यह नायाब मुसहफ सबसे अहम नुमाइशी चीजों में शामिल है. इस नुमाइश में नायाब कुरान को देखकर यह वाजेह है कि मुसलमानों ने हर दौर में कुरआन-ए-करीम की हिफाजत की, साथ ही उसकी लिखावट और खिदमत को कितनी अहमियत दी.नुमाइश में रखी गई यह खास नुस्खा मशहूर खत्तात अली बिन हिलाल ने तैयार किया था, जिन्हें ÷इब्न अल-बव्वाब÷ के नाम से भी जाना जाता है. उन्होंने इस मुकद्दस मुसहफ को आज से एक हजार साल से भी ज्यादा पहले अपने हाथों से लिखा था. इस नायाब नुस्खे के साथ इल्मी फेहरिस्त भी पेश की गई है. इस नुमाइश के जरिये लोग अरबी कैलिग्राफी और इस्लामी जीनत के फन में सदियों के दौरान आए बदलाव को नजदीक से देखा जा सकता है. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अलग-अलग दौर में कुरान शरीफ को किस अंदाज में करने की रिवायत कैसे आगे बढ़ती रही.यह मुसफ दुनिया की सबसे नायाब इस्लामी हस्तलिखित (हाथ से लिखी गई) किताबों में शुमार किया जाता है. इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि पूरी दुनिया में इसकी सिर्फ दो ही मालूम नुस्खे मौजूद हैं. यही वजह है कि इसकी इल्मी, फन्नी और तारीखी अहमियत बेहद बुलंद मानी जाती है. यह नायाब मुसहफ़ इस बात की जीती-जागती मिसाल भी पेश करता है कि इस्लामी तारीख में कुरआन-ए-करीम को कितना ऊंचा मुकाम हासिल रहा है और मुसलमानों ने अल्लाह के कलाम की हिफाजत, तहरीर, दस्तावेजीकरण और खूबसूरत सजावट के लिए कि इस हदतक मेहनत की.इकरा नुमाइश में इस बेमिसाल नुस्खे को पेश करने का मकसद सिर्फ एक कीमती हस्तलिखित मुसहफ दिखाना नहीं है, बल्कि जायरीन के इल्म में इजाफ़ा करना भी है. इसके ज़रिये उन्हें कुरआन-ए-करीम से जुड़ी उस अज़ीम इल्मी और तहज़ीबी विरासत से रूबरू कराया जा रहा है, जिसने सदियों तक इस्लामी दुनिया की पहचान को मज़बूत किया. साथ ही यह प्रदर्शनी कुरआनी सकाफत को आम करने की मुसलसल कोशिशों को भी उजागर करती है और हरम शरीफ आने वाले जायरीन को इस बात से वाकिफ कराती है कि अलग-अलग दौर में अल्लाह की किताब की नकल, खत्ताती और उसकी खिदमत किस तरह की जाती रही.

कैंसर अस्पताल के पास बम बरसाकर अमेरिका ने पार की हद, ईरान ने युद्ध का बिगुल फूंका

आवाज़ ए तसनीम

मिडिल ईस्ट युद्ध के दौरान अमेरिका मानवता को शर्मसार कर रहा है. ईरान के दक्षिण-पश्चिमी शहर अहवाज़ में एक कैंसर अस्पताल के पास मिसाइल से हमला किया है. इस हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया है और मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन से हमला किया है. यह हमला स् सेंट्रल कमांड (CENT-COM) द्वारा होर्मुज स्ट्रेट (Strait of Hormuz) में समुद्री आवाजाही के लिए खतरा पैदा करने वाली ईरानी सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाते हुए हमलों के दूसरे दौर की घोषणा के कुछ घंटों बाद हुआ.ईरान के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क और सूचना केंद्र के प्रमुख होसैन केरमानपुर ने कहा कि यह हमला बोघायी अस्पताल 2 के पास हुआ, जहां कैंसर के मरीजों का इलाज किया जाता है. केरमानपुर ने कहा, ÷कुछ देर पहले, अहवाज़ में बोघायी अस्पताल 2 (जो कैंसर के मरीजों के लिए है) के पास के इलाकों में मिसाइल हमला हुआ. तेज आवाज और जोरदार झटकों के डर से कुछ मरीज और उनके साथ आए लोग अस्पताल से भाग गए हैं और अब केवल सबसे गंभीर रूप से बीमार मरीज ही बचे हैं

औद्योगिक इलाकों में हुआ है हमला

ईरानी सरकारी मीडिया आउटलेट इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (IRIB) ने होर्मोज़गन प्रांत में स्थित केशम (Qeshm) में एक औद्योगिक सुविधा को नुकसान पहुंचने की भी खबर दी. IRIB के मुताबिक, होर्मोज़गन के गवर्नर के बयान का हवाला देते हुए कहा गया, ÷केशम में सूज़ा फिश पाउडर फैक्ट्री के एक हिस्से पर दुश्मन के हमले के बाद, फैक्ट्री को थोड़ा नुकसान पहुंचा है. जगह खाली होने के कारण, इस समय किसी के घायल होने की खबर नहीं है.

IRGC के प्रवक्ता ने क्या कहा?

यह घटना CENTCOM द्वारा यह घोषणा किए जाने के बाद हुई है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ हमलों का दूसरा दौर शुरू किया है. उनका कहना था कि इस ऑपरेशन का मकसद उन ईरानी सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाना था जिनका इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को धमकाने के लिए किया जाता है. इस बीच, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्नष्ट) के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल होसैन मोहम्मदी ने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक अपनी सैन्य जवाबी कार्रवाई जारी रखेगा. उन्होंने जोर देकर कहा कि तेहरान के मौजूदा ऑपरेशन इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य बुनियादी ढांचे पर केंद्रित हैं. मोहम्मदी ने कहा, ÷दुश्मन को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह लड़ाई के मौजूदा समीकरण को जारी रख सकता है

UK में मंदिर की जमीन मस्जिद को बेचने पर बवाल, हिंदू फरीक ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

आवाज़ ए तसनीम

ब्रिटेन के पीटरबरो में हिंदू मंदिर की जमीन मस्जिद से जुड़े तंजीम को देने को लेकर तनाजा खड़ा हो गया है. सिटी काउंसिल के फैसले को भारत हिंदू समाज ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है. तंजीम का इल्जाम है कि कानूनी कार्रवाई का पालन नहीं किया गया और मंदिर के हितों की अनदेखी की गई.ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में एक हिंदू मंदिर की जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब अदालत तक पहुंच गया है. बुधवार को इस मामले की सुनवाई लंदन की हाईकोर्ट में हुई, जहां पीटरबरो के दर्जनों हिंदू इंसाफ की उम्मीद लेकर पहुंचे. अदालत में इतनी बड़ी तादाद में लोग मौजूद थे कि सुनवाई के लिए अलग से एक इजाफी कमरा का इंतजाम करना पड़ा.

मुख्यमंत्री ने नागौर के तिलानेश गांव में किया प्रातः भ्रमण

खेत में जाकर किसानों के साथ की निराई-गुड़ाई

- उन्नत एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का किया आह्वान
- बच्चों को दुलारा, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों से किया आत्मीय संवाद
- गांव की चौपाल पर ग्रामीणों के साथ की चाय पर चर्चा, विकास कार्यों की दी सौगात

नागौर/जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद सुबह प्रातः भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गांव की गलियों, खेतों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर ग्रामीणों से सहज और आत्मीय संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री सबसे पहले खेतों में पहुंचे, जहां उन्होंने किसानों के साथ फसलों का अवलोकनकिया। उन्होंने खेती की वर्तमान स्थिति, उपज, सिंचाई व्यवस्था, कृषि लागत और किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्वयं खेत में किसानों के साथ निराई-गुड़ाई की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा राज्य और केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके प्रभाव का फीडबैक भी प्राप्त किया। प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले। उन्होंने महिलाओं से स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, आजीविका एवं राजीविका गतिविधियों पर चर्चा की। युवाओं से शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों को लेकर संवाद किया। बुजुर्गों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी ली।

शेखावाटी ज्ञान सभा में गूंजा विकसित भारत का संकल्प, शिक्षा और संस्कार पर हुआ मंथन

शिक्षा, संस्कार और भारतीय ज्ञान परंपरा हैं विकसित भारत की सशक्त आधारशिला : राज्यपाल,बागडे

जयपुर /सीकर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नीट-2026 के परिणामों में राजस्थान का प्रदर्शन देश के अन्य राज्यों की तुलना में अत्यंत उत्कृष्ट रहा है, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था अच्छी है, फिर भी इसे और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थी नई ऊँचाइयों तक पहुँचेंगे तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, जिला सीकर (जयपुर प्रांत) के संयुक्त तत्वावधान में 'शेखावाटी ज्ञान सभा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय शिक्षा, संस्कार एवं विकसित भारत रहा। राज्यपाल श्री बागडे ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व की नींव विद्यालयों में रखी जाती है। प्राचीन गुरुकुलों में आधुनिक संसाधन नहीं होने के बावजूद मौखिक संवाद के माध्यम से उत्कृष्ट

ज्ञान का संचार होता था। महाराणा प्रताप के समय आचार्य चक्रपाणि द्वारा कृषि विज्ञान पर लिखित 'विश्ववल्लभ' आज भी उपयोगी ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों और महाविद्यालयों का उद्देश्य केवल निरक्षर को साक्षर बनाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता और व्यक्तित्व का समग्र विकास करना होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ कार्य करने का अवसर मिला, जहाँ उन्होंने उनके सहायक के रूप में कार्य किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कृति एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं। संस्कृति समाज का दर्पण है तथा शिक्षा के माध्यम से ही संस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी संचारित होती है। शिक्षा रूढ़िवादी प्रथाओं एवं कुविचारों को दूर कर सांस्कृतिक शोधन का कार्य करती है। उन्होंने विनोबा भावे का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन होना चाहिए था। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा 64 लाख किलोमीटर के साथ सड़क नेटवर्क का व्यापक विस्तार हुआ है।

सर्किट हाऊस में की जनसुनवाई और ली समीक्षा बैठक

प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : पटेल

जयपुर(नि.सं.)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने बाड़मेर सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक ली और जनसुनवाई की। उन्होंने जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल से विकास कार्यों, फ्लैगशिप योजनाओं और बजट घोषणाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मानसून में देरी कारण जिले में पेयजल व्यवस्थाओं, पशुधन के लिए चारे और पानी की उपलब्धता की व्यापक समीक्षा की गई। जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार लक्ष्य अंत्योदय के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वर्षा में हुई देरी के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित नहीं होगी और पशुधन के लिए चारे की कमी नहीं आने दी जाएगी।

अधिकारियों दिए आवश्यक दिशा-निर्देशः पटेल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं एवं परिवेदनाओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनसेवा की भावना से कार्य करते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करें।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका से लौटी इंजीनियर की पत्नी, बेटी की कस्टडी मांगी

पति से बात करना किया बंद; पीहर वाले घर आकर ले गए थे गहने

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में सॉफ्टेवयर इंजीनियर की पत्नी शादी के 8 साल बाद अचानक पीहर चली गई। उसके कुछ समय बाद रिश्तेदार की शादी में जाने के बहाने ससुराल से गहने भी मंगवा लिए। इसके बाद पत्नी (सॉफ्टवेयर इंजीनियर) जॉब के लिए अमेरिका चली गई। करीब 2 साल बाद इंडिया लौटी, लेकिन ससुराल नहीं आई। पति से बात करना भी बंद कर दिया। फिर 8 साल की बेटी की कस्टडी के लिए केस कर ससुराल पक्ष को नोटिस भिजवा दिया। यही नहीं, जिन गहनों को उसके मायके वाले हड़प चुके थे, उनको मांगने का भी नोटिस में जिक्र कर दिया। नोटिस मिलने के बाद 17 जुलाई को ससुर (पति के पिता) ने बिंदायका पुलिस थाने में बहू के पिता और उसके चाचा के खिलाफ गहने हड़पने की एफआईआर दर्ज करवाई।

जयपुर में फाइनेंसर ने विवाहित से किया रेप

चेक बाउंस केस में फंसाने की धमकी देकर किया ब्लैकमेल, 4 महीने तक की दरिंदगी

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में एक फाइनेंसर द्वारा ब्लैकमेल कर विवाहिता से रेप करने का मामला सामने आया है। उधार रुपए के बदले लिए ब्लैंक चेक को भरकर आरोपी महिला को जेल भेजने की धमकी देता था। पिछले 4 महीने तक ब्लैकमेल कर आरोपी ने विवाहिता का देहशोषण किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी ने बताया- जयपुर की रहने वाली 24 साल की विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि आर्थिक जरूरत के चलते उसने आरोपी फाइनेंसर से 2 लाख रुपए उधार लिए थे। इसके बदले आरोपी ने उससे ब्लैंक चेक ले लिए। पीड़िता का आरोप है कि पूरी रकम लौटाने के बाद भी आरोपी लगातार एक्स्ट्रा पैसों की मांग करता रहा। आरोपी ब्लैंक चेक में बड़ी रकम भरकर बैंक में लगाने और चेक बाउंस के मामले में जेल भिजवाने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करता रहा।

कोर्ट बोला: बीमार पति की देखभाल नहीं करना क्रूरता: पत्नी का व्यवहार अमानवीय

दोनों का एक छत के नीचे रहना असंभव; तलाक मंजूर

जयपुर। जयपुर में फैमिली कोर्ट ने बीमार पति की देखभाल नहीं करने को क्रूरता मानते हुए तलाक की अर्जी को मंजूर किया है। जयपुर महानगर प्रथम की फैमली कोर्ट-5 के जज अनीश दाधीच ने अपने आदेश में कहा कि पत्नी का व्यवहार पति के साथ अमानवीय रहा है। बिना किसी उचित कारण के पति से झगड़ा करना, उसके माता-पिता, भाई-भाभी के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना, पति पर परिवार से दूर रहने का दबाव

डालना और बीमारी में पति की देखभाल नहीं करना मानसिक और शारीरिक क्रूरता है। पत्नी धर्म का पालन नहीं किया।

कोर्ट ने कहा- ऐसी परिस्थितियों में दोनों का एक ही छत के नीचे साथ रहकर वैवाहिक जीवन का निर्वहन करना असंभव है।

मैट्रिमोनियल साइट से हुआ था रिश्ता

मामले से जुड़े वकील दिवेश शर्मा ने बताया- जयपुर के रहने वाले आईटी प्रोफेशनल युवक और असम की रहने वाली आईटी प्रोफेशनल युवती का रिश्ता जीवन साथी डॉट कॉम (मैट्रिमोनियल साइट) से तय हुआ था। दोनों की शादी पूरे रीति-रिवाज के साथ 24 नवंबर 2019 को हुई। शादी के बाद दोनों दिल्ली में रहने लगे। शुरू में दोनों का वैवाहिक जीवन सही रहा। कुछ महीनों बाद पत्नी का व्यवहार बदल गया। वह बिना किसी कारण के पति से झगड़ा करने लग गई।

पति को सांप से डसवाकर मारा

पत्नी ने स्कूल मालिक पति को सांप से डसवाकर मारा:आधी रात बिस्तर पर सांप छोड़ा

लव-मैरिज की थी; मेरठ में शादीशुदा वैन ड्राइवर से अफेयर था

मेरठ(एजेंसी)। मेरठ में स्कूल संचालक पति को पत्नी ने सांप से डसवाकर मरवा दिया। उसने शादीशुदा वैन ड्राइवर प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दामिनी ने पहले पति अतुल कुमार (32) को दूध में नींद की गोलियां मिलाकर पिला दी। फिर रात 2 बजे प्रेमी और सपेरों को बुलाकर बिस्तर पर करैत सांप छोड़ दिया। यह देश के 4 सबसे जहरीले सांपों में आता है। वारदात के बाद दामिनी ने प्रेमी तुषार पायला को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। दामिनी शुक्रवार सुबह 6 बजे कमरे में पहुंची और चीखने

लगी। उसने परिजनों से कहा कि अतुल को सांप ने काट लिया है। कमरे में सांप मौजूद था और अतुल के पैर पर डसने के निशान भी थे। इसे देखकर परिजनों को लगा कि उनकी मौत सांप के डसने से हुई है। मामला तब पलटा, जब पूछताछ में पत्नी दामिनी (30) ने बताया कि उसे गर्मी लग रही थी, इसलिए वह बेटे के साथ कमरे से बाहर सोने चली गई थी। उसके इस बयान पर परिजनों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने दामिनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कॉल डिटेल खंगालने पर वैन ड्राइवर तुषार पायला से उसकी लगातार बातचीत सामने आई।

हाई रिस्क गर्भवती महिला की नियमित मॉनिटरिंग की जाए

मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभागों के विशेषज्ञों को शामिल कर प्रति सप्ताह समीक्षा की जाए

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को उपयुक्त अस्पताल (सीएचसी, उपजिला अस्पताल, जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज) से मैप किया जाए तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को एक एएनएम के साथ निगरानी में रखे और आवश्यकता पर डॉक्टर को तुरंत दिखाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वी.श्रीनिवास स्वास्थ्य भवन स्थित सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएचओ, आरसीएचओ, पीएमओ, संयुक्त निदेशक-जोन, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों व अस्पताल के अधीक्षकों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लेबर रूम एवं ओटी के लिए जारी प्रोटोकॉल की पालना प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हाई रिस्क गर्भवती महिला से जुड़ी एएनएम प्रति 3 दिन बाद व्यक्तिगत सम्पर्क करेगी। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक मातृ मृत्यु की समीक्षा संस्था स्तर पर एवं सामुदायिक स्तर पर रहे कारणों के साथ की जाए तथा अस्पतालों में बनाई गई मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए भी समीक्षा की जाए। उन्होंने गर्भवती महिला को प्रसव पूर्व, दो बच्चों के अन्तर, एनीमिया तथा पूर्व प्रसव के दौरान होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए गुड कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी बनाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन अस्पतालों में ओटी, आईसीयू, लेबर रूम आदि की क्रियाशीलता, उनमें उपचारित मरीजों की संख्या सहित अन्य जानकारी की प्रतिदिन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज की मृत्यु चिकित्सकीय लापरवाही से नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के न्यूट्रिशन एवं सुरक्षित प्रसव के संबंध में स्त्री रोग विशेषज्ञों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शांति समझौते का उल्लंघन ट्रंप के हस्ताक्षर को अमान्य साबित करता है : मोजतबा खामेनेई

तेहरान(एजेंसी)। अमेरिका और ईरान में जारी हमलों के बीच ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने कहा कि ईरान के साथ हाल ही में हस्ताक्षर किए गए शांति समझौते का अमेरिका की ओर से उल्लंघन किया जाना एक बार फिर यह साबित करता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साइन की कोई कीमत नहीं है और वह अमान्य है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने ईरानी मीडिया में छपे एक लेख के हवाले से बताया कि मोजतबा खामेनेई ने ईरानी लोगों के नाम एक संबोधन दिया, जिसमें अमेरिका के साथ एमओयू पर ये बयान दिया। इस संबोधन के दौरान उन्होंने देश के जरूरी मुद्दों पर बात की। खामेनेई ने कहा, दोनों देशों के बीच एमओयू पर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और ट्रंप ने 18 जून को हस्ताक्षर किया था।

देहरादून के सात मोड़ में 4000 पेड़ों की कटाई रुकी

सीएम धामी बोले- सभी पक्षों से सहमति बनने तक नहीं होगा कटान

देहरादून। देहरादून-ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन परियोजना के तहत सात मोड़ के जंगल में प्रस्तावित 4369 पेड़ों की कटाई पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। हालांकि अभी तक 350 से ज्यादा पेड़ काटे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्थानीय लोगों, पर्यावरणविदों और अन्य हितधारकों की चिंताओं को गंभीरता से लिया गया है। सभी पक्षों के बीच संतोषजनक सहमति और विश्वास का माहौल बनने तक पेड़ों का कटान नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब सात मोड़ में पिछले कई दिनों से पेड़ कटान के विरोध में आंदोलन चल रहा है।

मदरसे में छात्राओं से सेफ्टी टैंक की सफाई कराना निंदनीय, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : बेढ़म

जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश के गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढ़म ने डीग जिले की पहाड़ी तहसील के मीलखेड़ा स्थित मदरसे में सेफ्टी टैंक की सफाई के दौरान हुए हादसे को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि अध्ययनरत छात्राओं से इस प्रकार का कार्य कराना नियमों के विरुद्ध, निंदनीय और शर्मनाक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह राज्यमंत्री ने शनिवार को भरतपुर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में एक बालिका की मृत्यु अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। जबकि घायल छात्राओं का

अलवर के अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अलवर जिला प्रशासन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार द्वारा दिए गए हैं तथा डीग जिला कलक्टर पूरे मामले की लगातार निगरानी कर रहे हैं। बेढ़म ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्राओं से सेफ्टी टैंक की सफाई जैसा जोखिमपूर्ण कार्य कराना गंभीर लापरवाही है। इस घटना पर संस्थान के संचालकों के साथ-साथ समाज को भी आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और निष्पक्ष जांच के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक जनसुनवाई | **जेडीए की दैनिक जनसुनवाई से मजबूत हुआ आमजन का विश्वास**

डेढ़ माह में 17 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के सुशासन, पारदर्शिता एवं जनकल्याण के विजन तथा नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में जयपुर विकास प्राधिकरण के सुनियोजित विकास के साथ-साथ आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। जेडीए की दैनिक जनसुनवाई व्यवस्था नागरिकों और प्रशासन के बीच विश्वास, संवाद एवं जवाबदेही को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। जेडीए की इस व्यवस्था के अंतर्गत लगभग 200 अधिकारी एवं कार्मिक प्रत्यक्ष

रूप से आमजन की समस्याएँ सुन रहे हैं तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप डेढ़ माह की अवधि में 17 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई की जा चुकी है। साथ ही लगभग 500 प्रकरणों में ई-सुनवाई की गई। आंकड़ों के अनुसार जून माह में लगभग 10 हजार तथा जुलाई माह में अब तक लगभग 7 हजार प्रकरणों की सुनवाई की गई है। वहीं, 13 से 17 जुलाई के बीच केवल 5 दिनों में ही 2,325 प्रकरणों पर सुनवाई कर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की गई। यह निरंतरता जेडीए की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता और प्रभावी कार्यशैली का परिचायक है। जेडीए आयुक्त श्री सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि प्राधिकरण का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की समस्या का संवेदनशीलता, पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जब किसी नागरिक की समस्या का समय पर समाधान होता है, तो केवल एक आवेदन का निस्तारण नहीं होता, बल्कि शासन व्यवस्था के प्रति उसका विश्वास भी और अधिक मजबूत होता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण करते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें सहज, सरल एवं नागरिक-अनुकूल सेवाओं का लाभ मिल सके।

स्वामी और प्रकाशक रमाकांत गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJBIL/25/A1815 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः tasneemtv.official @gmail.com, वेबसाइटः www.tasneemtv.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।